R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 39
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
शुक्रवार, 17 अक्टूबर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

3 सरकार की मिशन शक्ति के प्रति महिलाओं को ...
5 पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध ...
7 हॉलीवुड को लगा बड़ा झटका! डायने कीटन ...

आन्ध्र प्रदेश को पीएम मोदी का तोहफा

बोले- 140 करोड़ भारतीयों की होगी 21वीं सदी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगभग 13, 430 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित किया। मोदी ने आंध्र प्रदेश गौरव और समृद्ध संस्कृति की भूमि है। यह विज्ञान और नवाचार का केंद्र भी है। इस राज्य में असीम संभावनाएँ और अपार क्षमताएँ हैं। उन्होंने कहा कि आंध्र को सही दृष्टिकोण की आवश्यकता थी। चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण के नेतृत्व में, राज्य को अब वह दृष्टिकोण और केंद्र सरकार का समर्थन दोनों प्राप्त है।

मोदी ने कहा कि आंध्र प्रदेश विकास की राह पर तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। डबल इंजन वाली सरकार की ताकत से, राज्य अभूतपूर्व विकास का गवाह बन रहा है। जैसा कि चंद्रबाबू गारू ने ठीक ही कहा है, इस अजेय गति को देखते हुए, मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूँः 2047 तक, जब भारत अपनी आज़ादी के 100 साल पूरे करेगा, यह सचमुच एक विकसित भारत होगा। उन्होंने कहा कि मैं पूरे विश्वास के साथ कहता हूँ कि 21वीं सदी भारत की सदी होगी। 21वीं सदी 140 करोड़ भारतीयों की होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज सड़क, बिजली, रेलवे, राजमार्ग और व्यापार से जुड़ी कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया है। इन पहलों से उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और लोगों का जीवन आसान होगा। इन परियोजनाओं से कुरनूल और आसपास के क्षेत्रों को बहुत लाभ होगा। मैं इन विकासों के लिए कुरनूल और पूरे राज्य के लोगों को बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा कि तेज़ विकास के बीच हमें अतीत की स्थिति को नहीं भूलना चाहिए। लगभग 11 साल पहले, जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब प्रति व्यक्ति बिजली की खपत औसतन 1000 यूनिट से भी कम थी। देश को अक्सर ब्लैकआउट जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता था, और हमारे कई गाँवों में बिजली का खंभा तक नहीं था।

मोदी ने कहा कि आज दुनिया, भारत को 21वीं सदी के नए मैन्युफैक्चरिंग सेंटर के रूप में देख रही है। इस सफलता का सबसे बड़ा आधार है, आत्मनिर्भर भारत का विजन। हमारा आंध्र प्रदेश आत्मनिर्भर भारत का प्रमुख केंद्र बन रहा है। विकसित भारत के लक्ष्य को तेज़ी से प्राप्त करने के लिए, देश भर में मल्टीमॉडल बुनियादी ढाँचे का विकास किया जा रहा है। हमारा ध्यान गाँवों से शहरों और शहरों से बंदरगाहों तक कनेक्टिविटी को मज़बूत करने पर है।

रूसी तेल पर ट्रंप के दावे पर विदेश मंत्रालय का करारा पलटवार, कहा- पीएम मोदी से कोई बात नहीं हुई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। विदेश मंत्रालय (विदेश मंत्रालय) ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कोई फ़ोन पर बातचीत नहीं हुई। इस तरह, उन्होंने ट्रंप के इस दावे का खंडन किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया था कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा। भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बयान पर, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, '... इस सवाल पर कि क्या प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच कोई बातचीत हुई या फ़ोन पर बात हुई, मुझे कल दोनों नेताओं के बीच हुई किसी बातचीत की जानकारी नहीं है।'

बुधवार को, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने वाशिंगटन में पत्रकारों से

बात करते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत रूसी तेल नहीं खरीदेगा। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी ने आज मुझे आश्वासन दिया है कि वे रूस से तेल नहीं खरीदेंगे। यह एक बड़ा कदम है। अब हमें चीन से भी यही करवाना होगा।' पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद, भारत द्वारा रूस से पेट्रोलियम उत्पादों की निरंतर खरीद एक बड़ा मुद्दा बन गई है, जिसके परिणामस्वरूप नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंधों में भारी गिरावट आई है।

बुधवार को अपने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए, ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इस बात से 'खुश नहीं' है कि भारत रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है, और तर्क दिया कि ऐसी खरीदारी से राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के युद्ध को वित्तपोषित करने में मदद मिलती है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'वह (मोदी) मेरे दोस्त हैं, हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध हैं... हम उनके रूस से तेल खरीदने से खुश नहीं थे क्योंकि इससे रूस को यह बेतुका युद्ध जारी रखने का मौका मिल गया, जिसमें उन्होंने डेढ़ लाख लोगों को खो दिया है।' उन्होंने कहा, 'मैं इस बात से खुश नहीं था कि भारत तेल खरीद रहा है, और (मोदी) ने आज मुझे आश्वासन दिया कि वे रूस से तेल नहीं खरीदेंगे। यह एक बड़ा कदम है। अब हमें चीन को भी ऐसा ही करने के लिए कहना होगा।'

पुलिस उत्पीड़न का मामला; दारोगा समेत तीन पुलिसकर्मियों पर केस दर्ज

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मेरठ जिले से पुलिस उत्पीड़न का एक गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि थाने में शिकायत करने पहुंचे एक युवक को पुलिस ने ही परेशान किया, जिससे दुखी होकर उसने जहर खा लिया। मामला सामने आने के बाद एसएसपी विपिन टाडा ने सख्त कार्रवाई की है। यह घटना थाना भावनपुर क्षेत्र की है। एसएसपी के आदेश पर भावनपुर थाना प्रभारी को सस्पेंड कर दिया गया है और उनके साथ एक दारोगा सहित तीन पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। बता दें कि मुबारिकपुर स्याल गांव के रहने वाले पुष्पेंद्र नागर टीपी नगर में ट्रांसपोर्ट का काम करते हैं। सोमवार की रात जब वह कार से घर लौट रहे थे, तब बाइक सवार दो लोगों ने उन्हें रोककर मारपीट की और 20 हजार रुपये लूट लिए। पुष्पेंद्र ने इस लूट की शिकायत भावनपुर थाने में की। लेकिन आरोप है कि शिकायत पर कार्रवाई करने की बजाय पुलिस ने पुष्पेंद्र को ही हिरासत में ले लिया और उसके साथ मारपीट की। इतना ही नहीं, पुलिस ने उसके दो मोबाइल फोन और कार भी जब्त कर ली। मंगलवार सुबह पुलिस ने उसे थाने से छोड़ा, लेकिन पुलिस के इस रवैये से दुखी होकर पुष्पेंद्र ने जहर खा लिया। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की जानकारी मिलते ही मेरठ के एसएसपी विपिन टाडा ने तत्काल कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया और तीन पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। यह मामला पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़ा करता है और अब पूरे जिले में इस घटना की चर्चा हो रही है।

जुबिन की मौत के मामले में सिंगापुर पुलिस 21 अक्टूबर को असम पुलिस टीम से मुलाकात करेगीः हिमंत

गुवाहाटी **(एजेंसी)**। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले महीने गायक जुबिन गर्ग की मौत की जांच के सिलसिले में राज्य की एक पुलिस टीम 20 अक्टूबर को सिंगापुर जाएगी और अगले दिन वहां के पुलिस अधिकारियों से मुलाकात करेगी।

शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''हमारे प्यारे जुबिन के लिए न्याय की दिशा में एक और कदम। सिंगापुर पुलिस के अधिकारी 21 अक्टूबर को विशेष पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) और विशेष जांच दल (एसआईटी) प्रमुख मुन्ना गुप्ता के नेतृत्व वाली असम पुलिस टीम से मिलेंगे।''

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक संशोधित पोस्ट में कहा कि असम पुलिस टीम 20 अक्टूबर को सिंगापुर जायेगी। शर्मा ने कहा, ''हमारा सामूहिक संकल्प बरकरार है, जुबिन को न्याय मिलेगा।''

मुख्यमंत्री ने बुधवार को भारत में सिंगापुर की कार्यवाहक उच्चायुक्त एलिस चेंग और विदेश मंत्री एस जयशंकर से नयी दिल्ली में मुलाकात की और उनसे सिंगापुर में जुबिन गर्ग की मौत की जांच को आगे बढ़ाने के लिए राज्य पुलिस को पूरा सहयोग देने का आग्रह किया। शर्मा ने चेंग से आग्रह किया था कि वह असम पुलिस को सिंगापुर का पूरा सहयोग दें, ताकि ''हम जुबिन गर्ग के लिए न्याय सुनिश्चित करने के अपने प्रयासों को साकार कर सकें।'' उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को इस मामले में हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया गया है।

इससे पहले, सिंगापुर के अधिकारियों ने भारतीय उच्चायोग के माध्यम से एक ईमेल भेजा था, जिसमें गायक की मौत के सिलसिले में असम पुलिस अधिकारियों के द्वीप राष्ट्र का दौरा करने के उनके एजेंडे के बारे में जानकारी मांगी गई थी, और एसआईटी ने पहले ही ऑनलाइन संचार का जवाब भेज दिया था। सिंगापुर के अधिकारियों को पारस्परिक कानूनी सहायता संधि (एमएलएटी) लागू करने का अनुरोध भी प्राप्त हुआ है।

एसआईटी ने सिंगापुर में असमिया समुदाय के 11 लोगों को अपने समक्ष उपस्थित होने के लिए बुलाया था, जो गायक के अंतिम क्षणों में उनके साथ थे। एक अधिकारी ने बताया कि अब तक उनमें से 10 लोग जांच अधिकारियों के समक्ष पेश हो चुके हैं, जबकि एक व्यक्ति जो सिंगापुर का नागरिक है, अभी तक नहीं आये हैं। असम सरकार ने 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में डूबने से हुई गायक की मौत की जांच के लिए 10 सदस्यीय एसआईटी का गठन किया था।

'भाजपा को जानें' पहल : जेपी नड्डा ने दिल्ली में पूर्व ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक से की मुलाकात

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भाजपा की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि 'भाजपा को जानें' पहल के तहत, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने गुरुवार को नई दिल्ली में ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से मुलाकात की। सुनक का भारत में स्वागत करते हुए, नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल ने भारत-ब्रिटेन संबंधों में नई गर्मजोशी और गति का संचार किया है। उन्होंने भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते के लिए वार्ता को आगे बढ़ाने में सुनक के नेतृत्व की सराहना की।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जेपी नड्डा ने भाजपा की संगठनात्मक शक्ति और शासन एवं राजनीतिक सहभागिता के प्रति उसके जन-केंद्रित दृष्टिकोण के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने 'भाजपा को जानें' पहल को अंतर्राष्ट्रीय समझ बढ़ाने, विचारों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने और दुनिया भर के राजनीतिक दलों और नेताओं के साथ संबंधों को मजबूत करने के एक मंच के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि कैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, तकनीक रोकथाम, निदान और उपचार में नवाचारों के माध्यम से भारत में जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की क्षमता को बढ़ा रही है। उन्होंने ऋषि सुनक और उनके परिवार को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएँ भी दीं।

प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि नड्डा के साथ भाजपा के विदेश मामलों के विभाग के प्रभारी विजय चौथाईवाले भी थे। इससे पहले मंगलवार को, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने पार्टी की 'भाजपा को जानो' पहल के तहत राष्ट्रीय राजधानी में मंगोलिया के राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना से मुलाकात की और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर, नड्डा ने बैठक के मुख्य अंश साझा करते हुए कहा कि दोनों नेताओं ने भाजपा की मूल विचारधारा, संगठनात्मक ढांचे और प्रमुख जन-केंद्रित कार्यक्रमों पर अंतर्दृष्टि साझा की।

कर्नाटक मंत्रिमंडल ने आरएसएस की गतिविधियों को रोकने के लिए नियम लाने का फैसला किया

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने गुरुवार (16 अक्टूबर) को सरकारी स्कूल और कॉलेज परिसरों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से नियम बनाने का फैसला किया है। मंत्री प्रियांक खड़गे द्वारा घोषित इस कदम ने राजनीतिक हलकों और राज्य के शिक्षा हितधारकों के बीच चर्चा का विषय बना दिया है। यह निर्णय कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खड़गे द्वारा मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को लिखे गए पत्र के आधार पर लिया गया है, जिसमें आरएसएस की गतिविधियों और उससे जुड़े संगठनों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी।

कैबिनेट बैठक के बाद मंत्री ने मीडिया को बताया कि हम जो नियम लाना चाहते हैं, वे सार्वजनिक स्थानों, सरकारी स्कूलों, कॉलेजों, सरकारी परिसरों, सरकारी स्वामित्व वाले संस्थानों और सहायता प्राप्त संस्थानों से संबंधित हैं। हम गृह विभाग, कानून विभाग और शिक्षा विभाग द्वारा जारी पिछले आदेशों को एक साथ लाकर एक नया नियम बनाएंगे। अगले दो-तीन दिनों में, नया नियम कानून और संविधान के दायरे में लागू हो जाएगा।

मंत्री खड़गे के अनुसार, आगामी नियमों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शैक्षणिक संस्थान तटस्थ स्थान बने रहें और केवल शिक्षा और कल्याण पर केंद्रित रहें। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि किसी भी संगठन को, चाहे उसकी विचारधारा कुछ भी हो, ऐसी गतिविधियाँ संचालित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए जो सरकारी संस्थानों में छात्रों को प्रभावित या ध्रुवीकृत कर सकती हों। उन्होंने कहा, 'हम किसी भी संगठन को नियंत्रित नहीं कर सकते, लेकिन अब से आप सार्वजनिक स्थानों या सड़कों पर अपनी मनमर्जी नहीं कर सकते। आपको जो भी करना है, वह सरकार की अनुमति लेने के बाद ही करना होगा।'

खड़गे ने कहा कि ऐसी गतिविधियों को अनुमति देना या न देना सरकार के विवेक पर निर्भर है। अनुमति देने के लिए कुछ मानदण्ड निर्धारित होने का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा, 'आप सिर्फ अधिकारियों को सूचना देकर सड़क पर लाठी लहराते हुए नहीं चल सकते या पथ संचलन नहीं निकाल सकते। ये सभी चीजें उन नियमों का हिस्सा होंगी जिन्हें हम लागू करने जा रहे हैं।'

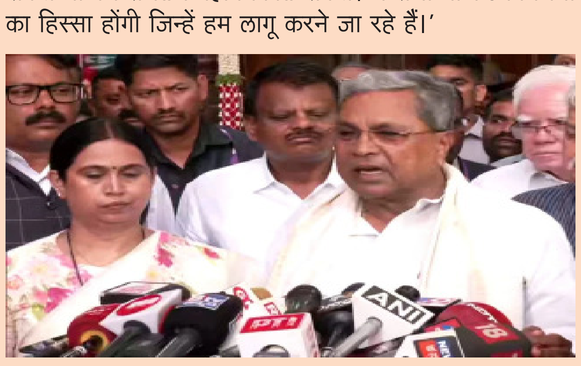

मोदी सरकार का अपराधियों को अल्टीमेटम

अमित शाह बोले- एक भी भगोड़ा बच नहीं पाएगा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को नई दिल्ली में 'भगोड़ों का प्रत्यर्पणः चुनौतियाँ और रणनीतियाँ' विषय पर आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय जाँच ब्यूरो (सीबीआई) ने किया था। शाह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य वैश्विक अभियानों, मज़बूत समन्वय और स्मार्ट कूटनीति को एक साथ लाना है। उन्होंने कहा कि आज, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, एक मज़बूत भारत सुरक्षित सीमाओं के साथ-साथ कानून का शासन सुनिश्चित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस सम्मेलन में, हम वैश्विक अभियानों, मज़बूत समन्वय और स्मार्ट कूटनीति को एक साथ लाना सुनिश्चित करेंगे।

अमित शाह ने न केवल देश के अंदर, बल्कि सीमा पार भी आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने पर ज़ोर दिया। शाह ने इस बात पर ज़ोर दिया कि गंभीर अपराध करने के बाद देश छोड़कर भागने वाले अपराधियों को वापस लाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमें न केवल भारत में भ्रष्टाचार, अपराध और आतंकवाद के विरुद्ध, बल्कि सीमा पार बैठे अपराधियों के विरुद्ध भी शून्य सहनशीलता की नीति अपनानी होगी। वांछित भगोड़ों को वापस लाने और उन्हें भारतीय कानून व्यवस्था के अनुसार दंडित करने का रास्ता खोजना हमारी ज़िम्मेदारी है।'

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि वित्तीय घोटालेबाजों, साइबर अपराधियों, आतंकवादियों और आपराधिक गतिविधियों में शामिल किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध 'निर्मम दृष्टिकोण' अपनाया जाएगा। शाह ने ज़ोर देकर कहा कि हमें इन अपराधियों के मन में बैठे इस विश्वास को तोड़ना होगा कि भारतीय कानून हम तक नहीं पहुँच सकता... उस विश्वास को तोड़ना हमारी ज़िम्मेदारी है... हमें उस पारिस्थितिकी तंत्र को भी समाप्त करना होगा जो ऐसे अपराधियों को न्यायिक, वित्तीय और राजनीतिक समर्थन प्रदान करता है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए अचूक कदम उठाए हैं कि कोई भी अपराधी कानून की पकड़ से बच न पाए। इससे पहले 14 अक्टूबर को, अमित शाह ने घोषणा की थी कि भारत का प्रमुख आतंकवाद-रोधी बल, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी), जल्द ही उत्तर प्रदेश के अयोध्या में अपना सातवाँ ऑपरेशनल हब स्थापित करेगा, जिससे किसी भी आतंकवादी हमले से निपटने के लिए इसकी देशव्यापी उपस्थिति का विस्तार होगा। यह घोषणा हरियाणा के मानेसर में एनएसजी के 41वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान की गई।

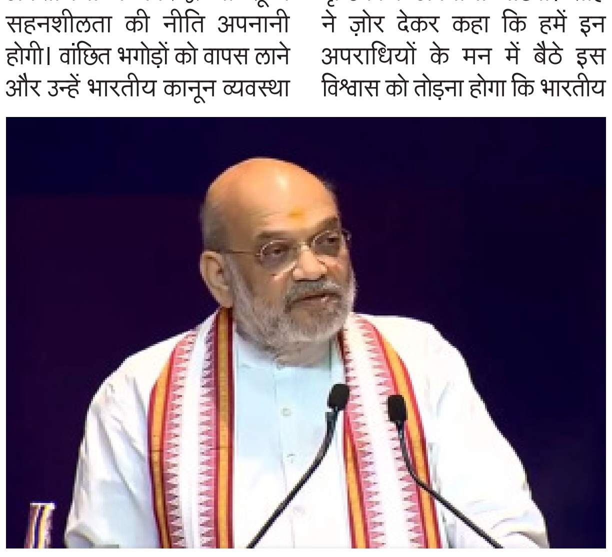

मिशन बिहार के लिए बीजेपी ने उतारी दिग्गजों की फौज, पीएम मोदी-शाह समेत 40 स्टार प्रचारक करेंगे शंखनाद

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 40 स्टार प्रचारकों की अपनी सूची जारी की है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह व अमित शाह समेत कई शीर्ष नेता शामिल हैं। इस सूची में कई प्रमुख नेता, मुख्यमंत्री और मशहूर हस्तियां शामिल हैं। इसमें भाजपा के 5 मुख्यमंत्री- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस शामिल हैं। इस सूची में कुछ समय के लिए राजनीतिक सुर्खियों से दूर रहे लोगों को भी शामिल किया गया है, और जिन लोगों को चुनाव लड़ने के लिए टिकट नहीं मिला है, उनमें पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री स्मृति ईरानी सबसे बड़ा नाम हैं, जिनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद, राधा मोहन सिंह, साध्वी निरंजन ज्योति और अश्विनी कुमार चौबे भी शामिल हैं। उनके अलावा, बिहार के दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, पूर्व डिप्टी सीएम रेनू देवी और कई अन्य राज्य मंत्री भी शामिल हैं। सूची में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और केंद्रीय जल मंत्री सीआर पाटिल, डॉ. दिलीप कुमार जयसवाल, प्रेम कुमार, नित्यानंद राय, सतीश चंद्र दुबे, राज भूषण चौधरी, अश्विनी कुमार चौबे, राजीव प्रताप रूडी, डॉ. संजय जयसवाल, विनोद तावड़े, बाबूलाल मरांडी, प्रदीप कुमार सिंह, गोपालजी ठाकुर और जनक राम भी शामिल हैं। इसमें भोजपुरी सिनेमा के कुछ बड़े नाम, अभिनेता-गायक से राजनेता बने पवन सिंह, मनोज तिवारी, रवि किशन, दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' भी शामिल हैं। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए नामांकन की आखिरी तारीख 17 अक्टूबर है, जबकि मतदान 6 नवंबर को होगा। इससे पहले बुधवार को भारतीय जनता पार्टी ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की, जिसमें 18 नाम शामिल थे।

मण्डलायुक्त ने माघ मेला की तैयारियों के सम्बंध में की बैठक

प्रयागराज।मण्डलायुक्त सौम्या अग्रवाल की अध्यक्षता में प्रयागराज मेला प्राधिकरण स्थित आईसीसीसी में सभागार में गुरूवार को माघ मेला-2026 की तैयारियों के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मण्डलायुक्त ने माघ मेला के आयोजन हेतु कराये जाने वाले कार्यों से सम्बंधित प्रमुख विभागों के अधिकारियों से कार्यों की प्रगति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने पीडब्लूडी, विद्युत, सिंचाई, स्वास्थ्य, जल निगम तथा मेला प्राधिकरण के द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए सभी सम्बंधित विभागों को माघ मेला के दृष्टिगत कराये जाने वाले कार्यों हेतु टेण्डर की कार्यवाही इसी माह तक पूर्ण कराकर कार्यादेश निर्गत करते हुए नवम्बर के प्रथम सप्ताह से कार्यों को अनिवार्य रूप से शुरू कराये जाने के निर्देश दिए है।मण्डलायुक्त ने इसके साथ ही साथ छठ पर्व के आयोजन के दृष्टिगत भी घाटों पर सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने मेला प्राधिकरण को जमीन के समतलीकरण सहित अन्य कार्यों से सम्बंधित सभी कार्यवाही समय से पूर्ण किए जाने के लिए कहा है। इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अजय पाल शर्मा, नगर आयुक्त सीलम सांई तेजा, अपर मेलाधिकारी दयानन्द प्रसाद, उपजिलाधिकारी अभिनव पाठक, विवेक शुक्ला सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

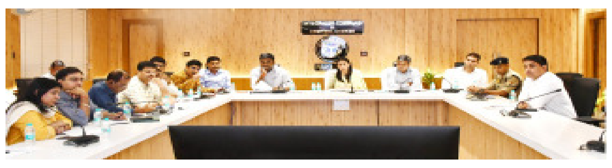

ग्राम पंचायत नेवरिया में पारदर्शिता के साथ कोटा की खुली बैठक संपन्न

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जनपद के यमुनानगर विकासखंड शंकरगढ़ क्षेत्र के ग्राम पंचायत नेवरिया में गुरुवार को एक खुली बैठक का आयोजन हुआ, जिसमें सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान के चयन के लिए चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता ग्राम प्रधान आशा सिंह ने की। सार्वजनिक जन वितरण प्रणाली के तहत सरकारी दुकान के चयन के लिए खुली बैठक का आयोजन हुआ। यह आयोजन दुकान का चयन एडीओ आईएसबी जानकी शरण सिंह, बीएमएम राममिलन सिंह एनआरएलएम, ग्राम विकास अधिकारी राजेश सेन के देखरेख में संपन्न हुआ। खुली बैठक में चर्चा के दौरान सक्षम अधिकारियों ने शासनादेश की गाइडलाइन को विस्तारपूर्वक बताते हुए कहा कि खुली बैठक के माध्यम से दुकान के चयन के लिए अभ्यर्थी को वित्तीय और शैक्षिक योग्यताओं को भी पूरा करना होगा। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा निर्धारित सभी नियमों और दिशा निर्देशों को पालन करना अनिवार्य है, ताकि उपभोक्ताओं को सही मात्रा में खाद्यान्न और अन्य सहायता मिल सके। शासनादेश के मुताबिक सर्वप्रथम स्वयं सहायता समूहों को वरीयता दी जाएगी, जो 2020 के पूर्व के स्वयं सहायता समूह एक्टिव होंगे। हाला कि खुली बैठक के दौरान कई स्वयं सहायता समूह की महिलाएं मौजूद रही मगर शासनादेश की गाइड के अनुसार कोई भी समूह सक्रिय नहीं पाया गया। ऐसे में समूहों की निष्क्रियता के चलते अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित कोटा के लिए सामान्य

रूप से कोटेदार का चयन समिति की प्रक्रिया को अपनाते हुए बैठक में मौजूद लोगों की सहमति से सक्षम अधिकारियों के द्वारा आवेदन मांगे गए। जिसमें कोटा के चयन के लिए दो आवेदकों ने आवेदन किया। चयन की प्रक्रिया शुरू होते ही गहमा गहमी शुरू हो गई। सक्षम अधिकारियों ने मोर्चा संभाला तब जाकर लोगों की राय सामने आ पाई। आवेदकों के प्रपत्रों की जांच सक्षम अधिकारियों ने किया जिसमें एक आवेदक का प्रपत्र सही पाया गया वहीं दूसरे आवेदक का प्रपत्र अपूर्ण पाया गया। सक्षम अधिकारियों के द्वारा बताया गया कि बहरहाल प्रपत्र सही मिलने पर प्रथम वरीय का चयन होगा। बताया गया कि खुली बैठक से पूर्व गांव में डुग्गी पिटवा कर मुनादी करवाई गई थी, क्योंकि इसके पूर्व रिक्त कोटा की दुकान को लेकर कई बार बैठक की गई थी मगर परिणाम सकारात्मक नहीं निकला था। जिससे आज की बैठक में मौजूद लोगों की सहमति से शासनादेश की गाइडलाइन के अनुसार पारदर्शिता पूर्वक बैठक आयोजित की गई। इस प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए वीडियो ग्राफी भी कराई गई है।इस मौके पर ग्राम प्रधानपति अरविंद सिंह पटेल, रोजगार सेवक नीरज सिंह पटेल समेत सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

ग्राम विकास अधिकारी पर 94, 14, 858 लाख के दुरुपयोग का आरोप

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। सिराथू ब्लॉक में तैनात ग्राम विकास अधिकारी सतीश कुमार चौधरी पर 94.14, 858 लाख रुपये के दुरुपयोग का आरोप लगा है। जिला लेखा परीक्षा अधिकारी की ऑडिट रिपोर्ट में यह गड़बड़ी उजागर हुई है। रिपोर्ट में वर्ष 2018-19 में ग्राम पंचायत देवखरपुर, कैनी, सेहिया आमद करारी, तुलसीपुर और मवई केवट में 89.67 लाख रुपये की वित्तीय अनियमितता पाई गई। जबकि 2020-21 में ग्राम पंचायत तुलसीपुर में 4.47 लाख रुपये का दुरुपयोग मिला है। कई बार नोटिस भेजे जाने के बावजूद सचिव ने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। इस पर डीपीआरओ अनिल कुमार सिंह ने जिला विकास अधिकारी को पत्र भेजकर प्रभावी कार्यवाही और रिपोर्ट शासन को भेजने की बात कही है।

प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड की 29 वीं बोर्ड बैठक संपन्न

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मण्डलायुक्त सौम्या अग्रवाल की अध्यक्षता में गुरूवार को आयुक्त कार्यालय स्थित गाँधी सभागार में प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड की 29वीं बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया।वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड के प्रारूपित वित्तीय विवरणों को बोर्ड बैठक में अनुमोदित किया गया तथा मण्डलायुक्त एवं जिलाधिकारी को नामित निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया। बैठक में स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत चल रही प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में मंडलायुक्त द्वारा स्मार्ट सिटी के तहत जो भी प्रोजेक्ट हुए हैं उन्हें सस्टेनेबल रखने के लिए इन प्रोजेक्टों को रेवन्यू जेनेरेटिंग बनाने के आवश्यक प्रबंध करने के लिए कहा गया है।मण्डलायुक्त ने पीडीए द्वारा स्थापित बस शेल्टरों की स्थिति के बारे में जानकारी ली तथा जिन बस शेल्टरों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, उन्हें हस्तांतरित करने के निर्देश दिए।बैठक में बोट क्लब स्थित फ़्लोटिंग रेस्टोरेंट एवं नौकायन सेवा, जिसने महाकुंभ 2025 में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, के विस्तार का प्रस्ताव रखा गया है। उक्त परियोजना पूर्व में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित की जा रही थी, इसके संचालन के विस्तार हेतु एक नवीन निविदा जारी की गई है, जिससे नगर में पर्यटन को और बढ़ावा मिलेगा।बैठक में यह सुनिश्चित किया गया कि सभी परियोजनाएं समयबद्ध, गुणवत्ता के साथ तथा निर्धारित बजट के भीतर पूरी की जाएं। इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अमित पाल शर्मा, नगर आयुक्त साई तेजा एवं स्मार्ट सिटी के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नीट में अपूर्वा सिंह ने दिखाई प्रतिभा, मिला लोहिया मेडिकल कॉलेज लखनऊ में प्रवेश

मंत्र भारत संवाददाता

मऊआइमा। मऊआइमा क्षेत्र के सिसई सिपाह गांव की अपूर्वा सिंह ने नीट परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अपनी मेहनत और लगन के बल पर अपूर्वा को डॉ. राम मनोहर लोहिया मेडिकल कॉलेज, लखनऊ में प्रवेश मिला है। उन्होंने राज्य स्तर पर 5193वीं रैंक हासिल कर गांव और परिवार का गौरव बढ़ाया है।

मेडिकल कॉलेज में प्रवेश मिलने के बाद जब अपूर्वा घर लौटीं तो बधाई देने वालों का तांता लग गया। हर कोई उनके समर्पण, अनुशासन और कठिन परिश्रम की सराहना करता नजर आया। अपूर्वा की इस उपलब्धि से परिजनों और ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई।

अपूर्वा के पिता अरविंद कुमार और माता गीता देवी ने कहा कि बेटी ने बचपन से ही डॉक्टर बनने का सपना देखा था, जिसे उसने अपनी मेहनत से साकार किया। दादा छोटे लाल और चाचा अजय, राधे मोहन, संजय, राम अश्रे पटेल और डब्लू मिश्रा ने भी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अपूर्वा की यह सफलता परिवार के साथ पूरे गांव के लिए गर्व की बात है।

वहीं अजय पटेल, राम मिलन यादव, बाबर खान, नजिम अली, अक्षत सिंह, मुकेश और निरंजनी कुमारी सहित कई लोगों ने अपूर्वा को शुभकामनाएं दीं। ग्रामीणों ने कहा कि अपूर्वा जैसी छात्राएं क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने यह साबित कर दिया कि दृढ़ इच्छाशक्ति और निरंतर परिश्रम से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

दीपावली पर्व के दृष्टिगत खाद्य पदार्थ पर रखें विशेष निगरानी-जिलाधिकारी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज।जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में गुरूवार को संगम सभागार में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की जिला स्तरीय कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सहायक आयुक्त द्वितीय द्वारा पिछली बैठक की कृतकार्रवाई के बारे में अवगत कराया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की कैंटीनों, जनपद में संचालित सभी कोल्ड स्टोरेज के साथ जनपद के सभी कोटेदारों को लाइसेंस पंजीकरण से आच्छादित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने प्रयागराज में संचालित सभी शराब प्रतिष्ठानों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों को लाइसेंस से आच्छादित करने का निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने मानकों के विपरीत पाये गये नमूनों के विरूद्ध माह सितम्बर तक दायर किए गए वादों के बारे में जानकारी लेते हुए न्यायालय में लम्बित वादों का शीघ्रता से निस्तारण के निर्देश दिए है। उन्होंने जनपद में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र में संचालित छात्रावासों में स्थापित कैंटीन, हॉस्पिटल्स, पीजी, आश्रम पद्धति विद्यालयों और कस्तूरबा गांधी विद्यालयों एवं जिन स्थानों पर खाने की पैकिंग की जाती है, वहां पर मानकों के अनुपालन हेतु खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को निरीक्षण कर निगरानी रखने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने मिलावटी खाद्य पदार्थों पर रोक लगाये जाने हेतु लगातार खाद्य पदार्थों की सैम्पलिंग करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि यदि कहीं पर मिलावटी खाद्य सामग्री पायी जाती है, तो उसे तुरंत नष्ट कराया जाये। उन्होंने औषधि निरीक्षक को कोल्ड ड्रिफ कफ सिरप पर विशेष सतर्कता बढ़ाने का निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने खाद्य विभाग को दीपावली पर्व के दृष्टिगत खाद्य पदार्थ पर विशेष निगरानी रखने के लिए कहा है। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट विनोद कुमार सिंह, सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सुशील कुमार सिंह व अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जनपद के सभी विकास खण्डों में रोजगार मेले का किया जाएगा आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। शिक्षित बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सिक्योरिटी के क्षेत्र में काम करने की रूचि रखने वाले अभ्यर्थियों के लिए ब्लाक परिसर में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन एस0आई0एस0 सिक्योरिटी सर्विसेज, लि0 द्वारा जनपद के सभी विकास खण्डों में किया जाएगा। दिनांक 18 अक्टूबर को विकास खण्ड-सरसवां में प्रातः 10 बजे से 03 बजे तक रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार विकास खण्ड-कौशाम्बी में 21 अक्टूबर, विकास खण्ड-नेवादा में 24 अक्टूबर, विकास खण्ड-चायल में 27 अक्टूबर, विकास खण्ड-कड़ा में 28 अक्टूबर, विकास खण्ड-सिराथू में 29 अक्टूबर, विकास खण्ड-मूरतगंज में 30 अक्टूबर एवं विकास खण्ड-मंझनपुर में दिनांक 31 अक्टूबर 2025 को 10 बजे से 03 बजे तक रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा।

ज्ञात हो कि यह जानकारी जिला सेवा योजना अधिकारी प्रशांत ने देते हुए बताया कि कंपनी द्वारा पंजीयन शुल्क 350 (तीन सौ पचास रू0) एवं चयन के उपरांत प्रशिक्षण शुल्क 10500 (जिसमें 02 सेट यूनीफार्म, पी0टी0 सूज, 02 सेट टी शर्ट, 02 सेट मोजे, जैकेट, 01 माह रहना खाना इत्यादि) लिया जायेगा। इच्छुक अभ्यर्थी विभाग के पोर्टल rojgaarsangam.up.gov.in पर पंजीयन करते हुए प्रतिभाग कर सकते हैं।

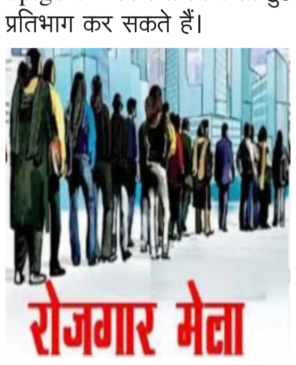

परमार्थ निकेतन में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का विश्राम

विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर बेहतर भोजन और बेहतर भविष्य के लिए हाथ में हाथ और दिल से दिल जोड़ने का संकल्प

मंत्र भारत संवाददाता

ऋषिकेश। आज परमार्थ निकेतन में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा का दिव्य विश्राम हुआ। सभी आयोजकों और साधकों के लिये यह क्षण से आध्यात्मिक अनुभूति से युक्त रहा।

कथा का प्रवाह कथाव्यास श्री कनकेश्वरी देवी जी के श्रीमुख से निरंतर चल रहा था, जो आज विश्राम पर पहुँची। साधकों ने इस पावन ज्ञानधारा के विश्राम को एक नए अध्याय की शुरुआत के रूप में ग्रहण किया, और प्रभु के प्रति अपनी श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव को सुदृढ़ किया।

इस दिव्य अवसर पर परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष, पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी, और साध्वी भगवती सरस्वती जी का पावन सान्निध्य, आशीर्वाद और प्रेरक संदेश सभी को प्राप्त हुआ। स्वामीजी और साध्वीजी ने साधकों को जीवन को उच्चतम आध्यात्मिक मूल्यों धर्म, कर्म, भक्ति, सेवा और मानवता की ओर प्रेरित करने का संदेश दिया।

आज विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने भोजन सुरक्षा की ओर सब का ध्यान आकर्षित करते हुये कहा कि 'बेहतर भोजन और बेहतर भविष्य'' के लिए सभी को हाथ में हाथ और दिल से दिल जोड़ना होगा।

कथा आयोजक श्रीमती करूणाबेन प्रागजी भाई पटेल, श्री प्रागजी भाई नारण भाई पटेल, विशाल, मितल, श्रेया, जैमिन, धरती, ईशान, निष्ठा, पिनाक और अहमदाबाद गुजरात से पधारे मित्र व परिवार जनों ने गद्‌द मन व कृतज्ञता के साथ परमार्थ निकेतन से विदा ली।

जिलाधिकारी के जनता दर्शन में दिव्यांग ने की ट्राईसाइकिल दिलाये जाने की मांग

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी के जनता दर्शन में दिव्यांग विराहिम ने प्रार्थना पत्र देकर अपनी समस्या से अवगत कराते हुए ट्राईसाइकिल दिलाये जाने की माग की।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने तत्काल दिव्यांग विराहिम को सम्मानित कर ट्राईसाइकिल प्रदान किया तथा पेंशन मिल रहा है कि नहीं की जानकारी प्राप्त की।

जिलाधिकारी ने दिव्यांग विराहिम की समस्या को गम्भीरता से सुना एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी विकास वर्मा से दूरभाष पर वार्ता कर तत्काल ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने ऑनलाइन आवेदन कराकर दिव्यांग पेंशन से लाभान्वित करने के भी निर्देश दिए।

जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी ने दिव्यांग का तत्काल ऑनलाइन आवेदन कराकर पेंशन फार्म भरवाया। आगामी किस्त से दिव्यांग को पेंशन मिलना शुरू हो जाएगा।

आरेडिका ने स्वच्छता अभियान 5.0 के तहत साफ-सफाई कर दिया स्वच्छता का संदेश

मंत्र भारत संवाददाता

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छता अभियान 5.0 के अन्तर्गत महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा के नेतृत्व में स्वच्छ भारत मिशन को प्रभावी बनाने के लिए स्वच्छता पखवाडा के अन्तर्गत सिविल विभाग तथा विभिन्न विभागों के सहयोग से आवासीय परिसर, शॉपिंग कॉम्पलेक्स की दुकानों, अधिकारी विश्रामगृह गंधमादन, मंदार, वर्कर क्लव, केन्द्रीय विद्यालय, एडमिन कैंटीन, वर्कर कैंटीन, वर्कशॉप के सभी शॉपों में स्वच्छता कार्यक्रम चलाए जाए रहे हैं।

स्वच्छता पखवाडा के अन्तर्गत स्टोर विभाग द्वारा स्टोर स्थल की साफ-सफाई की और इंवेन्ट्री के सुरक्षित रख-रखाव को सुनिश्चित किया इसके साथ ही फिनिशिंग शॉप में गहन स्वच्छता कार्यक्रम चलाकर परिसर को स्वच्छ किया।

9 अक्टूबर 2025 को स्वच्छ आहार दिवस के उपलक्ष्य में अधिकारी विश्रामगृह की कैंटीन, शॉपिंग कॉम्पलेक्स की दुकानों, एडमिन कैंटीन, वर्कर कैंटीन आदि का निरीक्षण किया तथा विक्रेताओं को व्यक्तिगत कूड़ा-कचरा के निस्तारण एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग से बचने की सलाह दी। अपने आस-पास के परिसर का साफ-सुथरा रखने के लिए जागरूक किया।

आरेडिका द्वारा स्वच्छता के प्रति ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरुक करने के लिए संबंधित कार्य-क्रम , नुक्कड़ नाटक स्वच्छता सेल्फी आदि का सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म का उपयोग कर स्वच्छता के प्रति लागों को जागरुक करने के लिए प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

वाराणसी में गेल सीजीडी ने आईओसीएल सीएनजी रिटेल आउटलेट्स पर मुफ्त सीएनजी प्रचार अभियान शुरू किया

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। साफ़ और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने और ग्राहकों की सुविधा को आसान बनाने के लिए गेल सीजीडी वाराणसी ने वाराणसी के इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के सह-स्थापित सीएनजी रिटेल आउटलेट्स पर मुफ्त सीएनजी प्रचार अभियान की शुरुआत की।

इस कार्यक्रम का उद्‌घाटन ताज कृष्णा आईओसीएल रिटेल आउटलेट, नडेसर, वाराणसी में हुआ। इस मौके पर सुशील कुमार, जनरल मैनेजर और सीजीडी इंचार्ज, गेल सीजीडी वाराणसी और राजेश कुमार, डिविजनल रिटेल सेल्स हेड, वाराणसी डिविजन, आईओसीएल समेत उनकी टीम मौजूद रही।

यह पहला अवसर है जब किसी ओएमसी रिटेल आउटलेट के साथ स्थित सीएनजी स्टेशन पर मुफ्त सीएनजी योजना लागू की गई है। इससे शहर में सीएनजी ग्राहकों के लिए सुविधा और पहुंच दोनों बढ़ेंगी।

वाराणसी के निवेशक बाज़ार में उतार चढ़ाव के बीच कर रहे हैं टाटा मल्टी एसेट फंड का रुख

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। विदेशी फंडों के बहिर्वाह, कच्चे तेल कीदरमेंहलचल, वैश्विक व्यापार सेजुड़ेतनाव और असमान कॉर्पोरेट आय के मद्देनज़र हाल के महीनों में बाज़ार में उतार-चढ़ाव की स्थिति रही। ऐसे समय में, निवेशक विभिन्न मल्टी एसेट एलोकेशन फंड की ओर आकर्षित हो रहे हैं जो इक्विटी, फिक्स्ड इनकम (सुनिश्चित आय) और कमॉडिटी (जींस) में विविधीकृत निवेश के ज़रियेवृद्धि और स्थिरता का मिश्रण प्रदान करते हैं। सोने की कीमत में हाल में आई तेज़ी ने ऐसे फंड को अपेक्षाकृत लोकप्रिय बनाया है, क्योंकि कमॉडिटी का प्रदर्शन और इससे जुड़ा भावी दृष्टिकोण बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों को सुरक्षा प्रदान करता है।

टाटा एसेट मैनेजमेंट के फंड मैनेजर, तपन पटेल ने कहा, 'टैरिफ संघर्ष, भू-राजनीतिक तनाव, केंद्रीय बैंकों की निरंतर खरीदारी और वैश्विक वृद्धि संबंधी चिंता जैसी व्यापक चुनौतियों के बीच एकपरिसंपत्ति वर्ग के रूप में सोने की भूमिका में उल्लेखनीय बदलाव आया है। इन कारकों ने वैश्विक बाज़ारों में अनिश्चितता को बढ़ावा दिया है, जिससे दीर्घकालिक निवेशकों के लिए सोना रणनीतिक परिसंपत्ति बन गया है। बहु-परिसंपत्ति (मल्टीएसेट) ढांचे में, सोना इक्विटी और ऋण अस्थिरता को संतुलित कर पोर्टफोलियो का लचीलापन बढ़ाता है। निवेशक अपने पोर्टफोलियो में सोने के लिए निश्चित मात्रा में आवंटन बनाए रखने और समय के साथ निवेश बढ़ाने के लिए व्यवस्थित निवेश (एसआईपी) पर गौरकर सकते हैं।'

हिंदी साहित्य भारती प्रयागराज के अध्यक्ष दिनेश तिवारी बनें

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। हिंदी साहित्य भारती के प्रयागराज इकाई के अध्यक्ष दिनेश तिवारी मनोनीत किए गए उक्त आशय का पत्र प्रदेश अध्यक्ष प्रहलाद बाजपेयी नें बुधवार को जारी करके दिया।

दिनेश तिवारी के संगठनात्मक क्षमता और साहित्य के प्रति निष्ठा के लिए जिम्मेदारी प्रदान की गयी हैं। जो भाजपा संगठन में शंकरगढ़ मंडल के महामंत्री दो बार रहें, पंचायत प्रकोष्ठ के मंडल अध्यक्ष रहें और जिला कार्यकारिणी सदस्य के साथ केंद्र में भाजपा सरकार बनने से पहले जिला मीडिया प्रभारी के रूप में भी काम किया हैं। इनके द्वारा लगातार संघर्ष के उपरांत 2014 में केंद्र में भाजपा की सरकार बनी, मीडिया समन्वयक यमुनापार के रूप भी सफल निर्वहन किया।तत्पश्चात पूर्व कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह के मीडिया प्रभारी बनें। समाजसेवा के रूप में गांव की चौपाल लगाकर जनजागरण करते रहें आज भी गांव गांव में किसान जनचौपाल लगाकर किसानों को जागरूक करने में अहम भूमिका निभा रहें हैं।बता जाता हैं

प्रत्येक सप्ताह में एक दिन जिलाधिकारी को जनहित जुड़े मुद्दे पर प्रार्थना पत्र देते रहते हैं। शंकरगढ़ के असिंचित इलाकों में सिंचाई का साधन हेतु नहर निर्माण का बीड़ा उठाया हुआ हैं। इनके कई लेख अखबार एवं पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं इनके लेख पर काफी ख्याति और चर्चा का विषय बना।आप पत्रकारिता के क्षेत्र से जुड़े हैं। आपने कई प्रधान, जिला पंचायत सदस्य, ब्लॉक प्रमुख, नगर पंचायत अध्यक्ष, विधायक और सांसद चुनाव जिताने में अहम भूमिका निभाया हैं, जमीन से जुड़े भाजपा कार्यकर्त्ता हैं।क्षेत्र के विकास एवं समस्याओं पर अच्छी जानकारी और जनता एवं कार्यकर्ताओं में बहुत बढ़िया संवाद हैं।हिंदी साहित्य भारती आरएसएस का अंग हैं। जो कई जिलों के अलावा 36 देशों में सक्रिय हैं।इसके राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व शिक्षामंत्री उत्तर प्रदेश रविंद्र शुक्ला हैं। यह हिंदी साहित्य, संस्कृति और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देना और भारतीय चिंतन और दर्शन के आधार पर मानवीय जीवन मूल्यों को पुनर्स्थापित करना हैं। हिंदी साहित्य के क्षेत्र में योगदान के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी स्थान मिल चुका है।साहित्य से जुड़े कार्यक्रम, संगोष्ठी, ऑनलाइन और ऑफलाइन कार्यशालाएं आयोजित करना और साहित्यिक पुरस्कार वितरित करना प्रमुख कार्य हैं।

मनोनीत होने पर काशी प्रान्त के कार्यकारिणी सदस्य विश्वपति, अनूप केसरवानी, आशुतोष त्रिपाठी, सोनू भटनागर, छेदी लाल साहू, आलोक गुप्ता, मनीष तिवारी, शैलेन्द्र पाण्डेय, मनोज मिश्रा, भोला गर्ग, गुलाब सिंह, रत्नाकर त्रिपाठी, कामता प्रसाद सिंह, दिवाकर सिंह, कृष्ण कुमार, दिनेश मिश्रा, राम चरण, नवनीत श्रीवास्तव, अखिलेश श्रीवास्तव, अविचल द्विवेदी, पूनम देवी, ठाकुर पप्पू सिंह, सतीश तिवारी, राजू सिंह पटेल, रमेश पासी, संजय केहरी आदि बधाई देकर शुभकामनायें दिया।

'किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और उनका कल्याण 'विकसित भारत' के संकल्प का एक अभिन्न अंग है।' - डॉ. दीपाली सिंह चौहान

'सही भंडारण और प्रसंस्करण तकनीकों से किसान अपनी उपज के नुकसान को कम कर सकते हैं।' - डॉ. ए. के. श्रीवास्तव

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। केन्द्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी), लखनऊ द्वारा डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में आयोजित पाँच दिवसीय मल्टीमीडिया प्रदर्शनी एवं जागरूकता कार्यक्रम का तीसरा दिन 'कृषि विकास एवं किसानों का कल्याण' विषय को समर्पित रहा। सत्र में कृषि क्षेत्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिनमें डॉ. दीपाली सिंह चौहान, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक; प्रोफेसर एम. के. अग्रवाल, अर्थशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय; डॉ. ए. के. श्रीवास्तव, कृषि वैज्ञानिक और प्रोफेसर यशवंत विरोदय, मीडिया प्रभारी, डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय शामिल थे।

डॉ. दीपाली सिंह चौहान ने अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा, 'किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और उनका कल्याण 'विकसित भारत' के संकल्प का एक अभिन्न अंग है।' उन्होंने जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों और मिट्टी के स्वास्थ्य के महत्व पर ध्यान आकर्षित किया और ड्रोन तकनीक, जैविक खेती और टपक सिंचाई के प्रयोग को कृषि के लिए आवश्यक बताया।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पिछले 11 साल की सभी योजनाओं का उद्देश्य पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना रहा है, और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, डिजिटल मंडी, मृदा स्वास्थ्य कार्ड जैसे कई योजनाओं की प्रशंसा की।

मुख्य सत्र के आलवा 'किसानों का सम्मान' जैसे विषयों को दर्शाती चित्र प्रदर्शनी भी दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी रही। इसके अतिरिक्त, विभाग द्वारा आयोजित प्रश्नोत्तरी में आए हुए दर्शकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पुरस्कार जीतें। सिद्धिधाम सांस्कृतिक दल और नटराजन पपेट एंड ग्रुप के कार्यक्रमों ने आगंतुकों का भरपूर मनोरंजन किया।

सत्र का समापन केन्द्रीय संचार ब्यूरो के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी, जय सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने सभी सम्मानित वक्ताओं और उपस्थित दर्शकों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर केंद्रीय संचार ब्यूरो के निदेशक मनोज कुमार वर्मा, लक्ष्मण शर्मा, अमन त्रिपाठी, प्रेम सिंह नेगी, जितेंद्र पाल सिंह और विभाग के अन्य अधिकारी, कर्मचारी व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की जिले के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जिला अधिकारी प्रयागराज मनीष कुमार वर्मा के आदेश पर भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के मंडल अध्यक्ष बबलू दुबे के नेतृत्व में प्रयागराज के किसानों की समस्या को लेकर प्रयागराज के सभी अधिकारियों के साथ संगम सभागार में एक बैठक कराई गई। किसानो की समस्याओं के निस्तारण के लिए डीएम ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया । उसी के साथ 27 अक्टूबर 2025 को राष्ट्रीय किसान महापंचायत धरना स्थल पत्थर गिरजाघर सिविल लाइंस में करने के लिए मंडल अध्यक्ष बबलू दुबे ने मंडलायुक्त और जिलाधिकारी प्रयागराज अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था अपर जिलाधिकारी नगर, नगर आयुक्त, पुलिस उपायुक्त नगर और सहायक पुलिस आयुक्त सुरक्षा प्रोटोकॉल को ज्ञापन सौंपा। बैठक में जिला अध्यक्ष प्रयागराज शनि शुक्ला, पुष्पराज सिंह सचिव उत्तर प्रदेश, राहुल जमींदार प्रदेश वक्ता, ओम प्रकाश पटेल जिला अध्यक्ष प्रतापगढ़, संतोष तिवारी जिला अध्यक्ष जौनपुर , कमलेश राव युवा जिला अध्यक्ष प्रयागराज, रमा देवी कुशवाहा महिला जिला अध्यक्ष प्रयागराज, अजय पटेल युवा मंडल संगठन मंत्री, भारत लाल पटेल गंगा पार अध्यक्ष, वित्तमन्यु पांडे युवा अध्यक्ष जमुनापार, दीपक तिवारी, बजरंगी मिश्रा जमुनापार प्रभारी, लालचंद शुक्ला तहसील अध्यक्ष, कमलेश पटेल तहसील अध्यक्ष, राममूरत यादव वरिष्ठ मंडल उपाध्यक्ष, राकेश पटेल ब्लॉक अध्यक्ष, जगदीश नारायण तिवारी मंडल महासचिव, राजेंद्र कुमार मंडल सचिव, अंगद मौर्या ब्लॉक अध्यक्ष, कमलेश यादव तहसील अध्यक्ष, योगेंद्र पटेल युवा तहसील अध्यक्ष, ज्ञान सिंह पटेल ब्लॉक अध्यक्ष, तौफीक अहमद जिला विधिक सलाहकार आदि सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

सरकार की मिशन शक्ति के प्रति महिलाओं को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

होलागढ़ (प्रयागराज)। बुधवार को होलागढ़ थाने में मिशन शक्ति को लेकर महिलाओं को जागरूक करने का कार्य किया गया। मिशन शक्ति प्रभारी आकांक्षा मिश्रा ने बताया कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाएं चलाकर बालिका, बालिकाओं एवं महिलाओं को महिला सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण समेत विभिन्न योजनाओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए प्रेरित किया गया। कहा कि सरकार द्वारा नारी सशक्तिकरण के प्रति योजनाओं के माध्यम से तमाम बिन्दुओं पर जानकारी दी गई। महिलाओं को सरकार के कानूनों, पुलिस सहायता हेल्पलाइन, एम्बुलेंस सेवा, साइबर फ्राड समेत जानकारियां दी गई।

बालिकाओं को नारी सशक्तिकरण के प्रति मिशन शक्ति की टीम ने किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

होलागढ़ (प्रयागराज)। बृहस्पतिवार को मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के तहत ग्राम बहादुरपुर की महिलाओं को थाने लाकर मिशन शक्ति टीम प्रभारी आकांक्षा मिश्रा व म030नि0 रेशमा कुमारी द्वारा श्री आरंभ विद्या मंदिर शाहपुर कल्याण उर्फ नेवादा थाना होलागढ़ प्रयागराज में मिशन शक्ति केन्द्र के बारे में जानकारी दी गई तथा बालिका द्वारा बालिकाओं व महिला सुरक्षा महिला सक्तिकरण तथा केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जैसे सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना, सामूहिक विवाह योजना, चिकित्सा संबंधी आयुष्मान योजना आदि व 22 बिंदुओं पर केंद्रित सूचना पर गहनता से वार्ता कर विभिन्न हेल्पलाइन नंबर जैसे वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 एंबुलेंस सेवा 108 व गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के लिए 102 एंबुलेंस सेवा आदि के बारे में जानकारी दी गई। वहीं साइबर फ्रॉड के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में अवगत कराया गया।

प्रयागराज में पहली बार बिना ओपन हार्ट सर्जरी के बंद हुआ दिल का छेद, स्वरूप रानी अस्पताल में रचा गया नया इतिहास

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय के कार्डियक कैथ लैब में डॉक्टरों की टीम ने एक बड़ा चिकित्सीय कारनामा कर दिखाया। 21 वर्षीय युवक के दिल में मौजूद 6 मिमी के छेद (ऋ्रअ) को बिना ओपन हार्ट सर्जरी के सफलतापूर्वक बंद किया गया। यह प्रयागराज मंडल में इस प्रकार का पहला मामला है, जिसने चिकित्सा जगत में नई उम्मीदें जगा दी हैं।

मरीज को पहले ओपन हार्ट सर्जरी की सलाह दी गई थी, जिससे वह और उसका परिवार काफी परेशान थे। लेकिन स्वरूप रानी चिकित्सालय के युवा कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. विमल निषाद और डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने हिम्मत और कौशल का परिचय देते हुए आधुनिक तकनीक से कैथ लैब में ही यह जटिल प्रक्रिया पूरी कर दी। इस प्रक्रिया में मरीज का सीना नहीं खोला गया बल्कि एक पतली नली (कैथेटर) के माध्यम से हृदय तक पहुंचकर विशेष उपकरण से छेद को बंद किया गया। टीम में टेक्नीशियन ओमवीर और योगेश ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विभागाध्यक्ष डॉ. पीयूष सक्सेना ने बताया कि 'यह प्रयागराज के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। अब ऐसे मरीजों को बड़े ऑपरेशन और लंबे रिकवरी पीरियड से नहीं गुजरना पड़ेगा। यह तकनीक सुरक्षित, सरल और कम खर्चीली है। उन्होंने कहा कि स्वरूप रानी अस्पताल अब उन चुनिंदा केंद्रों में शामिल हो गया है जहाँ बिना ओपन सर्जरी के हृदय के जन्मजात छेद का इलाज संभव है।'

कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. विमल निषाद ने बताया कि 'यह प्रक्रिया काफी चुनौतीपूर्ण थी क्योंकि हृदय का छेद बहुत नाजुक स्थान पर था। उन्होंने कहा कि हमें कई घंटे तक कैथ लैब में बैठकर हर स्टेप की सावधानीपूर्वक योजना बनानी पड़ी। डिवाइस का साइज और पोजिशन तय करने में ज़रा सी गलती भी गंभीर जटिलता पैदा कर सकती थी। पूरी टीम ने शांत मन से काम किया और जब स्क्रीन पर छेद पूरी तरह बंद होता दिखाई दिया, वह पल हमारे लिए बेहद भावुक था।' मरीज के परिजनों ने भावुक होकर कहा कि डॉक्टरों ने हमारे बेटे को नई ज़िंदगी दी है। हमें लगा था कि बड़ा ऑपरेशन कराना पड़ेगा, पर बिना सीना खोले ही सब हो गया। यह किसी चमत्कार से कम नहीं।

अग्रवाल सभा की बैठक सम्पन्न, महत्वपूर्ण सुझाव जारी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। गुरुवार को अपराह्न 3 बजे एल्लिीन रोड स्थित वात्सल्य सभागार में मौजूद आप सभी पत्र एवं टी वी मीडिया का स्वागत करते हैं और आपके समक्ष बड़े हर्ष और उत्साह के साथ हम 'अग्रवाल समा' नाम से पंजीकृत पताः 15/11, एम जी मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज स्थित न्यास की विधिवत घोषणा करते हैं। इस संस्था के गठन में प्रयागराज के 20 प्रतिष्ठित अग्रवालों के द्वारा महत्वपूर्ण योगदान दिया गया है। इस संस्था के नियमों और उद्देश्यों, कर्तव्य, दायित्व आदि का लेखन एवं संकलन मुरारी लाल अग्रवाल (पूर्व मेयर) के द्वारा किया गया है। संस्था की परिकल्पना 2 अक्टूबर 2025 को दशहरे के दिन की गई और इसका पंजीयन 9 अक्टूबर 2025 को किया गया।

संस्था के संस्थापक सदस्यों में मुरारी लाल अग्रवाल (पूर्व मेयर), वरिष्ठ सर्जन डॉ अशोक अग्रवाल, डॉ वंदना बंसल, अशोक अग्रवाल (ब्रिटानिया), श्रीमती लाल मणि अग्रवाल, महादेव प्रसाद अग्रवाल राजापुरिया, डॉ नीरज अग्रवाल, डॉ कीर्तिका अग्रवाल, महेन्द्र गोयल, अनुपम अग्रवाल, दीपक अग्रवाल 'लहू, राजेश अग्रवाल, जगमोहन अग्रवाल, राजीव राज अग्रवाल, आशुतोष जैन, मनीष अग्रवाल नेतराम, विजय अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, अलका अग्रवाल प्रमुख हैं। संस्था के

स्थापना का उद्देश्य महाराजा अग्रसेन के 'एक रुपया एक ईट' सिद्धांत और समाजवाद की विचार धारा को व्यवहार में लाते हुए समाज के कमजोर एवं मुख्य धारा से छूट गए लोगों को ऊपर लाना है। इन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए स्कूल की स्थापना, हॉस्पिटल से अनुबन्ध के आधार पर सस्ती चिकित्सा सुविधा, मेधावी छात्रों को चयनित कर शिक्षा के लिए फीस-किताब आदि की व्यवस्था प्रमुख हैं। सबसे महत्वपूर्ण एवं प्राथमिकता के आधार पर लिए संकल्प में अग्रकुल के वंशजों को प्रमुखता देते हुए शहर के सभी वर्गों के लिए महाराजा अग्रसेन के नाम पर 'अग्रसेन भवन' का निर्माण है। जिस सम्बन्ध में हम एक महत्वपूर्ण घोषणा प्रेस वार्ता के अंत में करेंगे।

दीपावली के शुभ अवसर पर ज़ी टीवी के कलाकार इस तरह रोशन करेंगे अपने घर और रिश्ते

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। दीपावली अच्छाई पर बुराई की जीत का प्रतीक है और इसे रोशनी का त्योहार कहा जाता है। उत्तर भारत में इस दिन भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा का विशेष महत्व होता है, जो समृद्धि और सुख का स्वागत करने का प्रतीक है। इस शुभ मौके पर ज़ी टीवी के कलाकार - गंगा माई की बेटियां की शुभांगी लाटकर, सरू की मोहक मटकर, जगद्धात्री के फरमान हैदर, वसुंधरा के अभिषेक शर्मा, लक्ष्मी निवास की मानसी जोशी रॉय, तुम से तुम तक की निहारिका चौकसे, जाने अनजाने हम मिले की जयती भाटिया और जागृति - एक नई सुबह के सागर पारेख साझा कर रहे हैं अपनी दिवाली की यादें और इस बार के जश्न की अपनी योजनाएं।

'गंगा माई की बेटियां' में गंगा माई का किरदार निभा रहीं शुभांगी लाटकर कहती हैं, 'दिवाली हमेशा से मेरा पसंदीदा त्यौहार रहा है। इस त्यौहार से बचपन की बहुत सारी प्यारी यादें जुड़ी हैं - पूरे परिवार के साथ घर की सफाई करना, दीयों से हर कोना सजाना और मां की मदद से मिठाइयां बनाना। 'लक्ष्मी निवास' में लक्ष्मी का किरदार निभाने जा रहीं मानसी जोशी रॉय कहती हैं, 'दिवाली हमेशा मेरे दिल के बहुत करीब रही है। इसके साथ मेरी कई यादें जुड़ी हैं - रंगोली बनाना, मिठाइयां तैयार करना, घर सजाना, दिवाली पार्टियों में जाना, कार्ड खेलना और घर पर पूजा करना। 'तुम से तुम तक' में अनु का किरदार निभा रहीं निहारिका चौकसे कहती हैं, 'दिवाली साल का मेरा सबसे पसंदीदा समय होता है। मैं दिन की शुरुआत माता-पिता के आशीर्वाद लेकर करती हूं, नए कपड़े पहनती हूं और फिर स्वादिष्ट खाने का मज़ा लेती हूं, तब मेरे सारे डाइट प्लान उड़ जाते हैं (हंसती हैं)।

विश्व कल्याण, विश्व शांति के लिए 12 दिवसीय तीर्थ यात्रा 21 से

ओम नमः शिवाय के गुरुदेव 1, 000 शिष्यों के साथ रामेश्वरम, तिरूपति बाला जी सहित अन्य धार्मिक स्थलों की करेंगे यात्रा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। ओम नमः शिवाय के पूज्य गुरुदेव ने कहा कि विश्व शांति, विश्व कल्याण और लोगों की उन्नति के लिए 12 दिवसीय तीर्थ यात्रा 21 अक्टूबर मंगलवार से शुरू होने जा रही है जिसमें एक हजार शिष्य शामिल होगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सनातनधर्मी को चाहिए कि वह अपने तीर्थ स्थलों का परिवार, साथियों सहित दर्शन पूजन जरूर करें।

यह बातें ओम नमः शिवाय के पूज्य गुरुदेव ने बलुआघाट स्थित आश्रम में सत्संग और विशाल भण्डारा के दौरान आज कही।

उन्होंने बताया कि यह यात्रा प्रयागराज से शुरू होकर चित्रकूट, मैहर, महाकाल, ओकारेश्वर, त्रैम्बकेश्वर, भीमाशंकर महादेव, घुश्मेश्वरनाथ, पडली वैधनाथम, नागेश्वर नाथ, मल्लिकार्जुन, रामेश्वरम, कन्याकुमारी, मदुरै और तिरूपतिबालाजी में दर्शन पूजन कर प्रयागराज वापसी तीन नंबर को होगी। गुरुदेव ने कहा कि इसके बाद तीर्थराज प्रयागराज का विश्व प्रसिद्ध माघ मेला तीन जनवरी पौष पूर्णिमा से शुरू होकर माघी पूर्णिमा तक चलेगा। इस दौरान देश, विदेश के करोडो श्रद्धालुओं के लिए विशाल भण्डारा दिन, रात चलता रहेगा। सत्संग के पश्चात विशाल भण्डारे में बडी संख्या में शिष्यों ने प्रसाद गहण किया।

जीवन ज्योति हॉस्पिटल ने 37वां स्थापना दिवस निशुल्क मेगा हेल्थ चेक-अप कैंप के साथ मनाया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जीवन ज्योति हॉस्पिटल, जो कि एक एनएबीएच मान्यता प्राप्त मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं इंफर्टिलिटी रिसर्च सेंटर है, ने अपने 37वें स्थापना दिवस के अवसर पर 'स्वस्थ समाज, सशक्त भविष्य' थीम के तहत 16 अक्टूबर 2025 को प्रयागराज परिसर में निःशुल्क मेगा हेल्थ चेक-अप कैंप का आयोजन किया।

यह स्वास्थ्य शिविर प्रातः 10:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक आयोजित हुआ, जिसमें 200 से अधिक मरीजों ने भाग लिया और विभिन्न निःशुल्क जांच एवं परामर्श सेवाओं का लाभ उठाया। निःशुल्क सेवाओं में शुगर, बीपी, लिपिड प्रोफाइल, ईसीजी, स्पायरोमेट्री, यूरिक एसिड, बीएमडी, बीएमआई, नेत्र परीक्षण तथा डायटिशियन एवं फिजियोथैरेपिस्ट द्वारा परामर्श शामिल थे।

चिकित्सक दल में शामिल थेःडॉ. वंदना बंसल (आईवीएफ विशेषज्ञ एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ. अर्पित बंसल (एडवांस लैप्रोस्कोपिक, कैंसर एवं लेज़र सर्जन), डॉ. अजय गोपाल और डॉ. विशाल श्रीवास्तव (बाल रोग विशेषज्ञ), डॉ. तारीफ अंसारी (न्यूरो सर्जन), डॉ. ए.के. मिश्रा (ईएनटी विशेषज्ञ), डॉ. आर.के. शर्मा (फिजियोथैरेपिस्ट), डॉ. अंजुला सहाय (स्त्री रोग विशेषज्ञ), तथा डॉ. सौरभ तिवारी (हड्डी रोग विशेषज्ञ) इस अवसर पर डॉ. वंदना बंसल एवं डॉ. अर्पित बंसल ने संपूर्ण चिकित्सा एवं प्रशासनिक टीम के प्रति उनके समर्पण और सामुदायिक सेवा के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री तौसीफ हसन (जीएम - कॉरपोरेट) एवं श्री अजय मौर्य (जीएम - मार्केटिंग) के कुशल निर्देशन में हुआ, जिनके नेतृत्व में कैंप का सुचारु समन्वय और व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित हुई।

सम्पादकीय

भारत में गूगल का निवेश मुनाफे का सौदा, पैदा होंगी करीब 2 लाख नौकरियां

अमेरिका की वीजा नीति और ट्रंप शुल्क से कारोबारी रिश्तों में दबाव के बीच गूगल की भारत में निवेश की घोषणा अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर बड़ी रणनीतिक सफलता है। विशाखापत्तनम में कृत्रिम मेधा का बड़ा केंद्र बनाया जाएगा। इसके लिए गूगल समूह पांच साल में 1.33 लाख करोड़ रुपए का निवेश करेगा। कृत्रिम मेधा के बढ़ते वैश्विक बाजार में यह निवेश इस बात को रेखांकित करता है कि कारोबार सुगमता के लिहाज से भारत वैश्विक स्तर पर पसंदीदा बना हुआ है।

भारत के पास विशाल उपयोगकर्ता आधार है। स्पष्ट है कि आर्थिक कूटनीति के लिहाज से यह परियोजना भारत को वैश्विक स्तर पर मजबूती प्रदान करेगी। तकनीकी ताकत भी बढ़ेगी। इस निवेश की घोषणा के बाद गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुंदर पिचाई ने सोशल मीडिया पर जो लिखा, उससे कई सार्थक संकेत मिले हैं। पिचाई के मुताबिक, निवेश से भारत में 1.83 लाख नई नौकरियां पैदा होंगी। विशाखापत्तनम के कृत्रिम मेधा परिसर की शुरूआती क्षमता एक गीगावाट से कई गीगावाट तक जाएगी। यह परिसर गूगल का अमेरिका के बाहर सबसे बड़ा कृत्रिम मेधा केंद्र बनेगा, जो भारत को वैश्विक तकनीकी के मानचित्र पर और मजबूत करेगा। कई स्तरों पर इसके दूरगामी नतीजे होंगे।

निस्संदेह, जिस तेजी से कृत्रिम मेधा क्षेत्र का विस्तार हो रहा है और अमेरिका तथा चीन जैसे मुल्क इसमें बढ़त लिए हुए हैं, उसे देखते हुए भारत को ऐसे निवेश और तकनीकी सहयोग की बहुत आवश्यकता है। यह कमी गूगल के निवेश से पूरी हो गई है। गूगल उसी देश की कंपनी है, जहां के राष्ट्रपति ने भारत पर शुल्क लगा कर दबाव बनाने की कोशिश की है।

वे खुल कर कह चुके हैं कि वे नहीं चाहते, अमेरिकी कंपनियां भारत में निवेश करें या निर्माण संयंत्र लगाएं। वे धमकी तक दे चुके हैं। एप्पल कंपनी के मुख्य कार्यकारी टिम कुक को दी गई भारी शुल्क लगाने की धमकी की यादें ताजा हैं। लगता नहीं है कि धमकियों के बावजूद एप्पल व अन्य ने भारत से काम समेटा।

दरअसल, आने वाले दिनों में तकनीक के स्तर पर भारत चिप और कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका की योजना बना रहा है। इसके लिए मजबूत नीतियां तैयार की गई हैं और बड़ी कंपनियों से वैश्विक स्तर पर गठबंधन किए हैं। दूसरे, भारत की ताकत उसका बड़ा मध्यवर्ग है। अमेरिकी कंपनियां हमेशा की तरह भारत के इस बड़े बाजार को देख रही हैं। हर स्तर पर भारत मुनाफे का बाजार है। तभी एप्पल और गूगल जैसी कंपनियां भारत में अरबों रुपए का निवेश कर रही है। अगर एप्पल के कमाई के आंकड़े को देखें, तो कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024 में भारत से 67, 100 करोड़ का राजस्व अर्जित किया है, जो पिछले वर्ष से 36 फीसद अधिक है।

कंपनी का मुनाफा बढ़ कर 2746 करोड़ हो गया है। टेस्ला ने भी भारतीय बाजार को देखते हुए यहां कदम रखा है। अब गूगल ने बड़ा निवेश किया है। गूगल के इस निवेश से वैश्विक निवेशकों को यह संदेश अवश्य गया होगा कि भारत इस लिहाज से दुनिया के सबसे सुरक्षित देशों में से एक है। वे तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर भारत पर भरोसा कर सकते हैं।

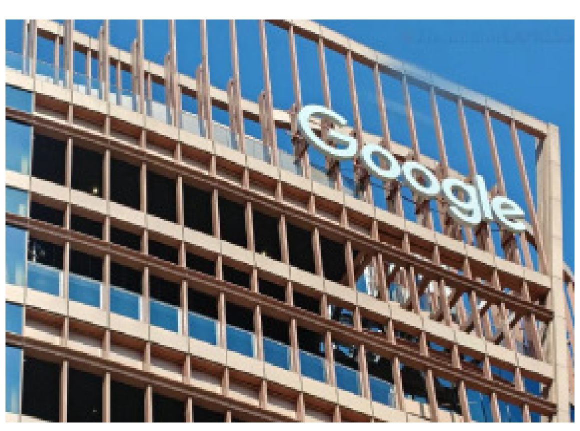

भारत का बहुत बड़ा घरेलू बाजार उसकी आंतरिक ताकत निजी निवेश में बढ़ोतरी न होना आर्थिक तरक्की में बाधक

अमेरिका की ओर से थोपे गए शुल्क से अब तक अनिश्चिता बनी हुई है। फिर भी बीते कुछ दिनों में देश के घरेलू बाजार में विभिन्न उत्पादों की खपत में हुई बढ़ोतरी से यह बात जरूर साफ हुई है कि भारत घरेलू मोर्चे पर वैश्विक अस्थिरता के दबाव को सहने में सक्षम हो गया है। वर्ष 2017 से चली आ रही जीएसटी की दरों में कमी के कारण यह उम्मीद बनी है कि इससे अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। इन दरों में कमी की जब घोषणा की गई, तो सभी ने यही समझा कि पहले की दरें वास्तव में अधिक थीं और अब इनमें कमी से आम आदमी को जरूर राहत मिलेगी। दिवाली का त्योहार अधिक से अधिक खरीदारी के लिए जाना जाता है।

इस बार भी खरीदारी को लेकर जोश दिख रहा है। जब जीएसटी दरों में सरकार ने कमी की, तो इसे देश की अर्थव्यवस्था के आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलने की बात कही गई। इस पर वैश्विक चर्चा हर भारतीय को संतोष देगी। मगर इसका विश्लेषण कई सवाल भी खड़े करता है। इस बात की भी सुगबुगाहट है कि सरकार आर्थिक नीतियों में सुधार मात्र सतही स्तर पर ही कर रही है। बुनियादी परिवर्तन अभी भी नहीं हुआ है। यह भी विचारणीय है कि आर्थिक नीतियों में सतही सुधारों से अल्पकालीन फायदे ही होने हैं। डेढ़ सौ करोड़ की जनसंख्या वाले देश में, जिसकी आधी से ज्यादा आबादी गरीब है, क्या यह उसके लिए ठीक है?

संतोष इस बात का भी है कि जब घरेलू बाजार में खपत इतनी बढ़ रही है, तो इसका प्रत्यक्ष फायदा भारत को मिलेगा। इसके अलावा

जीएसटी दरों में कमी के बाद से स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी बढ़ाने का लक्ष्य भी प्रमुखता से दिख रहा है। मगर क्या आर्थिक नीतियों में इस बात पर भी जोर है कि स्वदेशी सामानों को वैश्विक स्तर की गुणवत्ता के साथ घरेलू बाजार में उपलब्ध कराया जाएगा? अभी तक इस पक्ष पर चुप्पी छाई है। विश्व की एक बड़ी मोबाइल कंपनी का नया उत्पाद बीते दिनों भारतीय बाजार में बड़ी मांग के साथ चर्चा में रहा।

यह भी एक परिदृश्य है। लिहाजा इस बात को अब एक नए सिरे से समझने की आवश्यकता है कि अमेरिका के थोपे गए शुल्क से भारतीय निर्यात को तो घाटा हो रहा है, लेकिन विदेशी उत्पादों की घरेलू बाजार में अत्यधिक पकड़ क्या आत्मनिर्भर भारत बनने के संकल्प के लिए एक चुनौती नहीं है? इस पर गंभीरता से विचार करना होगा। क्योंकि भारतीय बाजार में विदेशी उत्पाद के दबदबे को कम किए बिना तस्वीर नहीं बदलेगी।

यह सोचना भी गलत होगा कि जीएसटी दरों में हुई कमी से इस समय केवल भारतीय बाजार को ही मुनाफा मिल रहा है। बाजार में तो अरसे से विदेशी उत्पादों की गहरी पकड़ है। इनमें इलेक्ट्रानिक सामान, वाहन और घरेलू साज-सज्जा इत्यादि का वर्चस्व अधिक है। इसलिए यह प्रश्न भी सामने है कि दरों में हुई कटौती से जहां एक तरफ सरकार ने अपने राजस्व में बहुत बड़ी कमी की है, तो इससे क्या आने वाले वित्तीय बजट में पूंजीगत व्यय पर प्रभाव नहीं पड़ेगा? वैश्विक स्तर पर भारत एक बड़ी अर्थव्यवस्था है। लगभग चार ट्रिलियन डालर की हैसियत रखते हुए वह अपने कदम आगे की ओर बढ़ा रहा है। इस बात से विकसित देशों को डर है। क्योंकि भारत का बहुत बड़ा घरेलू बाजार उसकी आंतरिक ताकत है, जिसे विश्व के सभी विकसित देश अपनी पहुंच में रखना चाहते हैं।

इन सब के बीच अगर भारत आत्मनिर्भर बनने के लक्ष्य को स्वदेशी उत्पादों की खपत से मजबूती के साथ आगे ले जाने में सक्षम हो जाता है, तो सभी विकसित देशों के इरादे पर यह एक तीखा प्रहार होगा। सरकार इस उद्देश्य की तरफ बढ़ती दिख भी रही है। चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के परिणाम इस बात की पुष्टि भी करते हैं। अप्रैल से जून की तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 7.8 फीसद रही, जो पिछले वर्ष की पहली तिमाही से एक फीसद से अधिक थी। इसी कारण भारतीय रिजर्व बैंक ने वर्ष 2025-26 के लिए वार्षिक वृद्धि दर बढ़ा कर 6.8 फीसद कर दी है। स्पष्ट है कि सरकार की आर्थिक नीतियों और केंद्रीय बैंक में बेहतर समन्वय है।

इन सब के बीच भारत की आर्थिक तरक्की में कुछ बाधाएं भी हैं। इनमें सबसे मुख्य निजी निवेश में बढ़ोतरी न होना है। हालांकि, सरकार ने केंद्रीय बजट में लगातार पूंजी निवेश को अपने स्तर पर बढ़ा कर उन्हें प्रोत्साहित करने का हर संभव प्रयास किया है। ऐसी दशा में क्या आर्थिक प्रगति और वार्षिक स्थिरता घरेलू बाजार की खपत के माध्यम से ही निर्देशित करना उचित है? क्या यह समझना नहीं होगा कि घरेलू बचत को बढ़ाना भी एक मुख्य लक्ष्य होना चाहिए था, जो हाल के दिनों में जीएसटी में कटौती से हुई बचत के बाद त्योहारी खर्च में बदल गई। हालांकि इससे मुनाफा अंततः किसी और को ही हो रहा है। एक रपट के मुताबिक वर्तमान में भारत में शुद्ध घरेलू बचत लगभग पांच फीसद के आसपास ही है। विडंबना यह भी है कि आज भारतीय निवेशक के पास घरेलू बाजार में विकल्प लगातार कम होते जा रहे हैं। बैंक दरों में लगातार कटौती हो रही है। आर्थिक नीतियों का प्रत्यक्ष इशारा घरेलू बचत के लिए पूंजी बाजार के विकल्प की ओर है।

भारतीय पूंजी बाजार ने पिछले एक वर्ष में पांच फीसद के आसपास का ही मुनाफा दिया जैसा कि बीएसई सूचकांक और निफ्टी में बीते वर्ष में दर्ज हुआ है। एक विमर्श यह भी है कि पूंजी बाजार में वित्तीय निवेश भारतीय बैंकों की तुलना में अधिक जोखिम भरा है क्योंकि इससे हमेशा अनिश्चितता रहती है। एक बात और अधिक ताज्जुब करने वाली है कि भारतीय कंपनियों का वित्तीय निवेश विदेश में तेजी से बढ़ रहा है। एक रपट के मुताबिक वर्ष 2024-25 में कंपनियों का विदेशी निवेश 40 फीसद बढ़ कर 36 अरब डालर तक पहुंच गया।

एक पक्ष यह भी अहम है कि जीएसटी दरों में हुई कमी से उत्पादों के विक्रय मूल्य जरूर कम हुए हैं, लेकिन क्या संबंधित निर्माताओं ने अपने मुनाफे को कम किया है? बहरहाल, एक संतोषजनक बात देखने को मिली है कि भारत के दूसरे सबसे बड़े बैंक एसबीआइ ने भारतीय अर्थव्यवस्था के आधार स्तंभ एमएसएमई के लिए वित्तीय ऋण को अब डिजिटल माध्यम से शुरू कर दिया है और इससे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को आवेदन करने के 45 मिनट के भीतर ऋण की मंजूरी मिल रही है। बैंक इस संदर्भ में आयकर रिटर्न, जीएसटी रिटर्न और बैंक विवरण जैसे प्रामाणिक आंकड़ों को आनलाइन मंच से ही मूल्यांकन कर इसे आगे बढ़ा रहे हैं। अगस्त 2025 में एसबीआइ ने ऐसे 2, 25000 उद्यमों को वित्तीय सुविधा दी। निश्चित तौर पर इससे इन उद्यमों की वित्तीय तरलता बढ़ेगी और ये भारत के उत्पादन क्षेत्र के लिए अच्छी खुशखबरी भी है।

पसंद और नापसंद की होड़ से परे है मानव जीवन, योग का उद्देश्य केवल शरीर की चपलता या सांस की लय नहीं

मनुष्य का जीवन केवल क्रिया-प्रतिक्रियाओं की श्रृंखला नहीं है, बल्कि यह एक चेतन अवधान का विस्तार है। पर आज के समय में हम देखते हैं कि जीवन के अधिकतर निर्णय पसंद और नापसंद के खांचों में ढाले जाते हैं। लोग बड़े गर्व से कहते हैं कि 'मुझे यह पसंद है, इसलिए मैं यह करूंगा या मुझे वह नापसंद है, इसलिए उससे दूर रहूंगा।' इस अभिव्यक्ति के पीछे जो भाव छिपा है, वह स्वतंत्रता का भ्रम है। पर क्या यह सचमुच स्वतंत्रता है? क्या यह सच में हमारी चेतन प्रवृत्ति का प्रतीक है? नहीं, यह तो कहीं अधिक गहरी मानसिक बेड़ियों की जकड़न है- अदृश्य, किंतु कठोर।

हम यह मान बैठे हैं कि जिसे मैं पसंद करता हूं, वही सही है और जिसे नापसंद करता हूं, वह त्याज्य है। इस द्वैत ने हमारे सामाजिक और पारिवारिक जीवन में इतनी गहरी पैठ बना ली है कि आज लगभग हर संघर्ष, हर मनमुटाव, हर युद्ध का मूल कारण व्यक्ति विशेष की पसंद-नापसंद ही बन गई है। घर की दीवारों से लेकर राष्ट्र की सीमाओं तक, धर्म की परिधियों से लेकर विचारधाराओं के संघर्षों तक, हर स्थान पर यह द्वंद्व व्याप्त है। विडंबना यह है कि हम इसे स्वाभाविक मान बैठे हैं।

पसंद-नापसंद की यह प्रवृत्ति उस सोच का हिस्सा है, जो सीमित है, पूर्वाग्रहों से ग्रस्त है और दूसरों की अपेक्षाओं या अपनी आदतों के अधीन चलती है। जब हमारा मस्तिष्क एक सीमित परिधि में बंद होता है, तब हमारी दृष्टि स्पष्ट नहीं रहती। हम वही देखते हैं, जो हमारी इच्छा देखना चाहती है, हम वही सुनते हैं, जो हमारे मानस को भाता है। ऐसे में जो आवश्यक है, वह हमारे ध्यान से ओझल हो जाता है।

अक्सर हम यह कहते हैं कि 'मैं स्वतंत्र हूं, इसलिए मैं अपने मन की करूंगा', तो यह वास्तव में स्वाधीनता नहीं है। मन को हमने इतना अधिक तूल दे दिया है कि अब वह हमारे विवेक का स्थान लेने लगा है। हम किसी वस्तु, विचार या व्यक्ति को केवल इसलिए स्वीकार करते हैं कि वह हमें अच्छा लगता है, और किसी को नकारते हैं, क्योंकि वह हमारी पसंद के अनुसार नहीं है। मगर चेतना वहां प्रकट होती है, जहां व्यक्ति यह समझ पाता है कि किसी परिस्थिति में 'क्या आवश्यक है', न कि केवल 'क्या मुझे अच्छा लगता है।'

इस मानसिक स्थिति का सबसे बड़ा दुष्परिणाम यह है कि हम अपने भीतर एक सतत टकराव की स्थिति में रहने लगते हैं। हमें जीवन से शिकायतें होती हैं, लोग अच्छे नहीं, समाज गिरा हुआ, रिश्ते बेमानी, धर्म बंटे हुए, राजनीति भ्रष्ट, लेकिन हम यह नहीं देख पाते कि इन सबके मूल में हमारी अधूरी चेतना और सीमित सोच ही है। जब हम केवल अपनी पसंद के दायरे में जीते हैं, तो हमारी दृष्टि व्यापक नहीं रह जाती। फिर जो हमारे दायरे में नहीं आता, वह हमें या तो शत्रु प्रतीत होता है या उपेक्षणीय। यहीं से शुरू होता है झगड़ों का सिलसिला- घर में, समाज में, और अंततः अंतरात्मा में। भारतीय योग परंपरा ने इस भीतर की पराधीनता को बहुत गहराई से देखा है। योग का उद्देश्य केवल शरीर की चपलता या सांस की लय नहीं है, बल्कि चेतना की वह ऊर्ध्व यात्रा है, जो व्यक्ति को अपने भीतर की ग्रंथियों से मुक्त करती है। योग कहता है कि जब तक हम अपनी चेतना के तल पर जागरूक नहीं होंगे, तब तक हम सच्ची स्वतंत्रता का अनुभव नहीं कर सकते, क्योंकि जो व्यक्ति भीतरी पराधीनता से मुक्त नहीं है, वह बाहरी आजादी का मूल्य ही नहीं समझ सकता। उसे स्वतंत्रता केवल एक व्यक्तिगत अधिकार लगती है, जबकि सच्चे अर्थों में स्वतंत्रता वह अवस्था है, जहां व्यक्ति अपनी प्रतिक्रियाओं से मुक्त होकर पूर्ण विवेक के साथ निर्णय लेता है। जहां वह परिस्थिति को उसके संपूर्ण परिप्रेक्ष्य में देख सकता है, न कि केवल अपनी रुचि और अरुचि की झील में डूबते-उतराते हुए।

पसंद और नापसंद की होड़ से बाहर निकलने के लिए हमें यह स्वीकार करना होगा कि हम अब तक अपने ही बनाए हुए मानसिक जाल में उलझे रहे हैं। एक सजग और संवेदनशील व्यक्ति ही यह देख सकता है कि किसी विशेष परिस्थिति में क्या आवश्यक है, क्या उचित है और क्या अनावश्यक। वह अपनी पसंद को तब भी स्थगित कर सकता है, जब परिस्थिति किसी अन्य दिशा की मांग कर रही हो। जागरूकता वह दृष्टि देती है, जिससे हम न केवल वस्तुओं को, बल्कि अपने मन की गति को भी देख सकते हैं। यह वह दर्पण है, जिसमें हमारी प्रतिक्रियाओं की छाया स्पष्ट होती है। यह वह ध्वनि है, जो हमारे अंतर से कहती है, 'जो पसंद है, वह जरूरी नहीं कि सही हो; और जो नापसंद है, वह अनावश्यक नहीं।'

जीवन की गति जब मात्र इच्छाओं की पूर्ति और नापसंद से बचाव में बीत जाती है, तब उसका सौंदर्य लुप्त हो जाता है। मगर जब हम अपनी चेतना को इतना विकसित कर लेते हैं कि हम परिस्थिति को उसके व्यापक स्वरूप में देख सकें, तब जीवन एक कला बन जाता है- विवेक, संतुलन, करुणा और न्याय की।

पसंद-नापसंद से मुक्त होकर जीना आसान नहीं, पर असंभव भी नहीं। यह एक साधना है, अपने भीतर झांकने की, अपनी प्रतिक्रियाओं की दिशा को देखने की, और समय-समय पर अपने ही मन को चुनौती देने की। यह वही मार्ग है, जहां मानवता को अपना असली अर्थ मिला है। इसलिए आवश्यकता इस बात की नहीं है कि हम अपने मन की करें, बल्कि इस बात की है कि हमारा मन इतना परिष्कृत हो, इतना साक्षीभाव से भरा हो कि वह स्वयं यह समझ सके कि किस परिस्थिति में क्या करना उचित है। तभी हम सच्चे अर्थों में स्वतंत्र होंगे। वरना हमारी पसंद ही हमारी पराधीनता का दूसरा नाम बन जाती है। स्वतंत्र वह नहीं जो अपनी पसंद का हो, स्वतंत्र वह है जो अपने भीतर से मुक्त हो।

एक लाख एकल शिक्षक स्कूलों की त्रासदी से त्रस्त शिक्षातंत्र

भारत में आज भी कई सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के बच्चे सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे सभी विषय पढ़ रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय के साल 2024-25 के आधिकारिक डेटा के मुताबिक देश के कुल 1, 04, 125 स्कूलों में एक ही शिक्षक सभी कक्षाओं एवं सभी विषयों को पढ़ा रहे हैं। यह आंकड़ा हमारे शिक्षा तंत्र की विफलता को दर्शाता ही नहीं रहा है बल्कि चिन्ताजनक स्थिति को बयां कर रहा है। ये आंकडे हमारे शैक्षणिक विकास पर एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर रहे हैं। 'शिक्षा किसी राष्ट्र की आत्मा होती है।' स्वामी विवेकानंद का यह वाक्य आज भारत की शिक्षा व्यवस्था पर एक कसक बनकर उभरता है। जब शिक्षा की आत्मा घायल होती है तो राष्ट्र का शरीर कभी स्वस्थ नहीं रह सकता।

शिक्षा मंत्रालय के ये हालिया आंकड़े बताते हैं कि एकल शिक्षक स्कूलों में करीब पौने चौंतीस लाख विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। बताया जाता है कि आंध्र प्रदेश में ऐसे स्कूलों की संख्या सबसे ज्यादा थी, जबकि उसके बाद उत्तर प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और लक्षद्वीप का स्थान है। एक तो हमारे देश में शिक्षा का बजट पहले ही बहुत कम है, फिर उस धन का सही उपयोग नहीं हो पाना एक भ्रष्टाचार ही है। इसमें दो राय नहीं कि प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा के गिरते स्तर के मूल में हमारे नीति-नियंताओं की अनदेखी ही प्रमुख कारक है। आखिर हम अपने नौनिहालों को कैसी शिक्षा दे रहे हैं? आखिर उनके बेहतर भविष्य की हम कैसे उम्मीद करें? जाहिर बात है कि एक शिक्षक सामाजिक विषय, भाषा, विज्ञान, अंग्रेजी और गणित में माहिर नहीं हो सकता। एक शिक्षक छात्रों की हाजिरी दर्ज करेगा या पढ़ाई कराएगा? एकल शिक्षक स्कूलों का परिदृश्य भारत के विकास की पौल खोलने वाला है। भले ही एकल शिक्षक स्कूलों में पिछले वर्ष की तुलना में 6 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई हो, फिर इतनी बड़ी संख्या में ऐसे स्कूलों का होना हमारी शिक्षा व्यवस्था की बड़ी नाकामी को ही उजागर कर रहा है। यह स्थिति किसी एक आंकड़े की नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य की गहरी त्रासदी की तस्वीर है।

कल्पना कीजिए-एक शिक्षक जो प्रशासनिक काम भी करता है, मिड-डे मील की निगरानी भी करता है और साथ में सभी कक्षाओं को पढ़ाने की जिम्मेदारी भी निभाता है। क्या वह शिक्षक शिक्षक रह जाता है या व्यवस्था का बोझ उठाने वाला मज़दूर बन जाता है? इन बच्चों की शिक्षा कैसी होगी, जिनके लिए ज्ञान का एकमात्र द्वार ही थकान, उपेक्षा और तंगहाली से भरा है? यह संकट केवल ग्रामीण भारत तक सीमित नहीं है। शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भी सैकड़ों स्कूल ऐसे हैं जहाँ विषय विशेषज्ञों की कमी, प्रयोगशालाओं की अनुपस्थिति और शिक्षण संसाधनों का अभाव है। नई शिक्षा नीति 2020 समग्र शिक्षा की बात करती है, लेकिन जब आधारभूत ढाँचा ही अपूर्ण हो तो नीतियाँ केवल दस्तावेज़ बनकर रह जाती हैं। हम 2047 तक विकसित भारत की परिकल्पना कर रहे हैं, पर क्या एकल शिक्षक स्कूलों की यह स्थिति उस दिशा में कोई सार्थक कदम का संकेत है?

यह विडंबना है कि भारत विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है, पर उसके बचपन की शिक्षा का यह हाल है। शिक्षा पर सरकारी व्यय जीडीपी का केवल 2.9 प्रतिशत है, जबकि विकसित देशों में यह 5 से 6 प्रतिशत तक है। जब शिक्षा ही निवेश नहीं बनेगी, तो विकास का आधार कहाँ से आएगा? समस्या केवल शिक्षक संख्या की नहीं, बल्कि शिक्षकों की भर्ती, प्रशिक्षण और संसाधनों की भी है। राज्यों में नियुक्ति प्रक्रियाएँ वर्षों तक लटकी रहती हैं, स्थानांतरण नीति अव्यवस्थित है, और जो शिक्षक हैं भी, उन्हें आधुनिक शिक्षा पद्धति, डिजिटल शिक्षण, नवाचार और नैतिक मूल्य आधारित शिक्षण के प्रशिक्षण से वंचित रखा गया है। यह स्थिति उस समय और अधिक विडंबनापूर्ण लगती है जब हम हर मंच पर 'नया भारत', 'विकसित भारत' और 'विश्वगुरु भारत' के नारे लगाते हैं। शिक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में देखने की आवश्यकता है। रक्षा और स्वास्थ्य की तरह शिक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

शिक्षक भर्ती में पारदर्शिता और समयबद्ध प्रक्रिया सुनिश्चित हो, दूरस्थ क्षेत्रों के स्कूलों का समुचित समायोजन किया जाए, तकनीक के माध्यम से डिजिटल शिक्षा का विस्तार हो और शिक्षकों को केवल वेतनभोगी कर्मचारी नहीं बल्कि राष्ट्रनिर्माता के रूप में सम्मान मिले। महात्मा गांधी ने कहा था, 'यदि हमें भारत को पुनः महान बनाना है, तो शिक्षा को पुनः मानवीय बनाना होगा।' आज शिक्षा केवल परीक्षा और नौकरी तक सीमित हो गई है, जबकि उसका उद्देश्य चरित्र निर्माण और विवेक जागरण होना चाहिए। यदि 34 लाख बच्चे एकल शिक्षक के भरोसे हैं, तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक संवेदनहीनता का प्रमाण है। भारत तभी विकसित होगा जब हर बच्चा पढ़ेगा-सिर्फ स्कूल में नहीं, बल्कि सच्चे अर्थों में शिक्षित होगा। अन्यथा, एकल शिक्षक की यह पीड़ा आने वाले भारत की मौन त्रासदी बन जाएगी। शिक्षक दीपक की तरह होते हैं, वे स्वयं जलकर समाज को प्रकाश देते हैं। पर जब दीपक ही अकेला रह जाए, तो अंधकार स्वाभाविक है। अब समय है कि हम इस अंधकार को दूर करने का संकल्प लें, क्योंकि शिक्षा ही राष्ट्र का भविष्य है और शिक्षक उस भविष्य के निर्माता हैं।

सोचने वाली बात है कि एक स्कूल की सारी कक्षाओं को एक शिक्षक कैसे पढ़ाता होगा? छात्र-छात्राएं कैसी और कितनी शिक्षा ग्रहण कर पाते होंगे? शिक्षा का मतलब छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है। उन्हें पढ़ाई के साथ पाठ्यसहगामी क्रियाओं का भी ज्ञान दिया जाना जरूरी होता है। लेकिन जब स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक ही नहीं होंगे तो किताबी पढ़ाई कैसी होगी, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। स्कूल में सिर्फ पढ़ाई ही महत्वपूर्ण नहीं होती। बच्चों का शारीरिक विकास पूरी तरह हो, उसके लिए खेलकूल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों एवं योग-व्यायाम जैसी कक्षाओं की सख्त जरूरत होती है। लेकिन जब शिक्षक ही पर्याप्त नहीं होंगे तो शिक्षा के साथ चलने वाली इन गतिविधियों की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती है। निस्संदेह, हम छात्रों के बीमार भविष्य की बुनियाद ही रख रहे हैं और ऐसी बीमार बुनियाद पर खड़ा राष्ट्र कैसे स्वस्थ, सक्षम एवं उन्नत होगा?

शिक्षा के प्रति यह उपेक्षा हमारे सत्ताधीशों की संवेदनहीनता का भी पर्याय है। शिक्षकों की नियुक्ति में जिस बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के मामले विभिन्न राज्यों में सामने आए हैं, उससे शिक्षा विभाग की प्रदूषित कार्य संस्कृति का बोध होता है। आखिर क्या वजह है कि देश में प्रशिक्षित शिक्षकों की पर्याप्त संख्या होने के बावजूद स्कूलों में शिक्षकों की कमी बनी हुई है। यह स्थिति हमारे तंत्र की विफलता को ही उजागर करती है। एक समस्या यह भी है कि शिक्षक जटिल भौगोलिक स्थितियों वाले स्कूलों में काम करने से कतराते हैं। यदि इन स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति हो भी जाती है तो वे दुर्गम से सुगम स्कूलों में अपना तबादला ज्वाइन करने के तुरंत बाद करवा लेते हैं। जिसमें राजनीतिक हस्तक्षेप से लेकर विभागीय लेन-देन की भी शिकायत होती रहती है। यही वजह है कि शहरों व आसपास के इलाकों में स्थित स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती जरूरत से ज्यादा भी देखी जाती है।

कैसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि सड़कों पर बेरोजगारों की लाइन लगी हैं और स्कूलों में शिक्षकों के लाखों पद खाली हैं। बताया जाता है कि माध्यमिक व प्राथमिक विद्यालयों में करीब साढ़े आठ लाख शिक्षकों के पद खाली हैं। इसके बावजूद कि हमारे यहां प्रशिक्षित शिक्षकों की कोई कमी नहीं है। कहने को तो हमारे गाल बजाते नेता भारत को दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं का देश कहते इतराते हैं, लेकिन इन नेताओं से पूछा जाना चाहिए कि कुंठित होती युवा पीढ़ी के लिये उन्होंने क्या खास किया है? नौकरियों की भर्ती निकलती नहीं है। तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर देश में ऐसी त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों का होना देश के नीति-निर्माताओं एवं नायकों के लिये शर्म का विषय होना चाहिए।

मिशन शक्ति फेज 5 ने दिया मौका, पिंकी बनी एक दिन की एआरटीओ

महिलाएं मेहनत कर बड़े से बड़े पदो पर पहुंचकर देश एवं प्रदेश के योगदान में निभा रही है बड़ी भूमिका -जिलाधिकारी

मेधावी पिंकी ने फरियादियों की समस्याओं को सुनते हुए एआरटीओ के पद एवं दायित्वों के निर्वहन की ली सीख

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। मिशन शक्ति अभियान फेज-5 के कार्यक्रम के क्रम में जिलाधिकारी शैलेष कुमार के निर्देशन में एआरटीओ राम सिंह द्वारा हाईस्कूल में कॉलेज टॉपर वर्तमान में कक्षा 12 की छात्रा पिंकी हलवाई, पिता तारा शंकर निवासी ग्राम भिडूरा पोस्ट पाली ज्ञानपुर विद्यालय पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज भदोही को एक दिन का "सांकेतिक एआरटीओ" नियुक्त करते हुए बुके व उपहार देकर सम्मानित किया गया।

एआरटीओ की कुर्सी पर बैठने के पश्चात टॉपर पिंकी कुमारी ने लगभग 10 लोगों की समस्याओं को सुनते हुये एआरटीओ के पद एवं दायित्वों के निर्वहन की सीख ली। अफसर बनी छात्रा ने फरियादियों की शिकायतों को सुना एवं शिकायतों के निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित भी किया।

परिवहन ऑफिशियल प्रक्रिया, डीएल प्रक्रिया आदि को प्रभावी ऑनलाइन व अधिक पारदर्शी बनाने का निर्देश दिया। सांकेतिक रुप से एक दिन की एआरटीओ पिंकी ने कहा कि वह भविष्य में यूपीएससी की तैयारी करके आईएएस बनना चाहती है। प्रतीकात्मक एआरटीओ पिंकी ने अपने मनोविचार साझा करते हुये कहा कि, "एआरटीओ की कुर्सी पर बैठकर मुझे बहुत ही गर्व महसूस हो रहा है। इस दौरान

टॉपर छात्रा ने बताया कि मैं भी बड़ी होकर सिविल सेवक बनना चाहती हूं। मैं अपनी बहनों से अपेक्षा करती हूं कि वह भी पढ़ लिखकर अच्छे पदों पर आसीन होकर समाज, देश व महिलाओं और बच्चों की सेवा करें, जिससे हमारा देश आत्मनिर्भर बन सकें।

मौके पर एआरटीओ सहित उपस्थित अन्य अधिकारियों द्वारा सांकेतिक एआरटीओ पिंकी को पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया, इसके साथ ही एआरटीओ राम सिंह द्वारा छात्रा पिंकी को बधाई देते हुये उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनायें दी गयीं।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा मिशन शक्ति फेज 05 कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है जिसके अंतर्गत अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में हाईस्कूल की टॉपर बालिका को एक दिन का सांकेतिक एआरटीओ बनाया गया। एआरटीओ ने कहा कि मेधावी छात्राओं को एक दिन का अधिकारी बनाकर यह एहसास दिलाया जा रहा है कि यदि आप मेहनत करेंगे तो ऊंचे से ऊंचे पदों पर पहुंचकर देश एवं प्रदेश के योगदान में बड़ी से बड़ी भूमिका को निभा सकते हैं आपके रास्ते में कोई भी बाधा नहीं आएगी। इसके साथ ही इन सभी के माध्यम से मा0 मुख्यमंत्री जी की प्राथमिकता है कि समाज को यह संदेश देने का कार्य किया जा रहा है कि बेटियां आपका गौरव है यदि आप उन्हें अवसर देंगे तो किसी भी सफलता को और अच्छे से अच्छे शिखर को प्राप्त कर सकती हैं उन्हें हमें आगे बढ़ाना चाहिए।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवागमन कर रहे राहगीरों एवं खासकर ट्रक चालकों को नशा मुक्ति हेतु जागरूक करने के लिए की गई अपील

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। राष्ट्रीय राजमार्ग, टोल प्लाजा लालानगर के पास राष्ट्रीय ओरल हेल्थ कार्यक्रम, राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत नशा मुक्ति जागरूकता/स्वास्थ्य जाँच शिविर एवं संचारी/दस्तक अभियान हेतु शिविर का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, औराई और काशी टोलवे प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। मुख्य अतिथि- शुभम अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा नशा मुक्ति जागरूकता/स्वास्थ्य जाँच शिविर का उद्घाटन कर स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता का पाठ पढ़ाया गया। महोदय द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर के अधिकारी/कर्मचारीगण से राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवागमन कर रहे राहगीरों एवं खासकर ट्रक चालकों को ओरल हेल्थ एवं तम्बाकू नियंत्रण के अंतर्गत नशा मुक्ति हेतु जागरूक करने के लिए अपील की गई। विशिष्ट अतिथि- श्रीमती बरखा सिंह, उपजिलाधिकारी, औराई द्वारा कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया।

मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के तहत जनपद भदोही पुलिस द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद भदोही श्री अभिमन्यु मांगलिक के कुशल निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक श्री शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में जनपद के समस्त थानों की एंटी रोमियो/ महिला मिशन शक्ति टीमों द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के बीच व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया।

थाना सुरियावां - प्राथमिक विद्यालय ग्राम अमरावती व दानुपुर बड़ौदा यूपी बैंक में महिलाओ/ छात्राओं को सभी हेल्पलाइन नंबर 1090 /112/ 181 /102/ 108 तथा साइबर संबंधित हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में व मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी0एम0 सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना जानकारी दी गयी ।

थाना कोइरौना - राजकीय हाई स्कूल नगरदह में बालिकाओं को एंटी रोमियो टीम द्वारा उनके अधिकारों एवं कानूनी प्रावधानों, विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों, साइबर अपराध तथा शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं के बारें में जागरुक किया गया ।

थाना ऊंज-ग्राम मीनापुर में महिलाओं/बालिकाओं को महिला सुरक्षा, स्वावलंबन व हेल्पलाइन नंबरों के बारे में बताया गया।

थाना ज्ञानपुर/महिला थाना - महाराजा चेतसिंह चिकित्सालय व राजा पार्क में महिलाओं/बालिकाओं को भ्रमण के दौरान महिला सशक्तिकरण के बारे में जागरुक किया गया।

थाना दुर्गागंज - ग्राम मेडी व पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय ग्राम गोपलहां महिलाओं/बालिकाओं को सुरक्षा व आत्मनिर्भरता के उपाय बताए गए।

थाना चौरी - ग्राम शरबत खानी में महिलाओं/बालिकाओं को सुरक्षा व आत्मनिर्भरता के उपाय बताए गए। थाना गोपीगंज/औराई- क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर महिलाओं/ बालिकाओं को जागरुक किया गया।

टीमों ने मिशन शक्ति केंद्र, साइबर हेल्पडेस्क, एंटी रोमियो स्क्वाड एवं पुलिस अधीक्षक व थाना सीयूजी नंबर की जानकारी देकर महिलाओं को आत्मरक्षा व जागरूकता के प्रति प्रेरित किया।

जनपद भदोही पुलिस द्वारा मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु जन-जागरूकता अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है।

31 अक्टूबर तक समस्त ईंट भट्ठा स्वामी पायों के आधार पर विनियमन शुल्क नियमानुसार जमा करना करें सुनिश्चित

भदोही। खान निरीक्षक ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से अवगत कराया कि जनपद में ईट भट्ठा सत्र 2025-26 (माह अक्टूबर, 2025 से माह सितम्बर, 2026 तक) में ईंट भट्ठो को पायों की संख्या के आधार पर संचालन किया जाता है। जिसके लिये शासनादेश संख्या भूतत्व एवं खनिकर्म अनुभाग, लखनऊ द्वारा ईंट भट्ठा सत्र 2025-26 के लिये उ0प्र0 उपखनिज (परिहार) नियमावली 2021 के नियम-21 (2) के अनुसार ईट भट्ठा मालिको से पायों के आधार पर विनियमन शुल्क (ुर्ल्र्हु झो) नियमानुसार लिये जाने का निर्णय लिया गया है। विनियमन शुल्क जमा किये जाने के उपरान्त ही ईट भट्ठे का संचालन किया जायेगा। शासन द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में 31 अक्टूबर 2025 तक समस्त ईंट भट्ठा स्वामी पायों के आधार पर विनियमन शुल्क (ुर्ल्र्हु झो) नियमानुसार जमा कराना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ जिला सर्तकता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1995 के अन्तर्गत जिला सर्तकता एवं मॉनीटरिंग समिति की बैठक कलेक्टेªट सभागार में आयोजित की गयी।

जिला समाज कल्याण अधिकारी मीना श्रीवास्तव व द्वारा अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार अधिनियम विषयक वित्तीय वर्ष-2025 -26में योजनान्तर्गत आवंटित धनराशि, व्यय धनराशि पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा प्राप्त प्रस्तावों पर चर्चा एवं आर्थिक सहायता प्रदान किये जाने हेतु अपराध की प्रकृति व उत्पीड़ित व्यक्तियों के सम्बन्ध में अवगत कराया गया। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि योजनान्तर्गत प्राप्त धनराशि का अनुसूचित जाति/जनजाति के कल्याणार्थ सदुपयोग किया जाय। जिलाधिकारी ने जिला सर्तकता एवं मॉनीटरिंग समिति के सदस्यों की बातों/सुझावों को सुनते हुए उनके समुचित निवारण पर बल दिया।

पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने कहा कि अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

जिला समाज कल्याण अधिकारी मीना श्रीवास्तव द्वारा बताया गया कि वित्तीय वर्ष-2025-26 में योजनान्तर्गत आवंटित 22 लाख रूपये आवंटन हुआ है। वर्ष-2025-26 में पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्राप्त 64 प्रस्तावों में 25 प्रस्ताव में स्वीकृति के उपरांत 29 पीड़ितों को 21लाख 95 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की गयी। वर्ष-2025-26 में पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा कुल 65 प्रस्ताव में से अब तक 54 प्रस्ताव आर्थिक सहायता नियमानुसार दी गयी है। बैठक में उपायुक्त मनरेगा राजाराम, जिला प्रोबेशन अधिकारी शत्रुघ्न कन्नौजिया, जिला सूचना अधिकारी डॉ0 पंकज कुमार आदि सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हज शिक्षकों के चयन हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया एवं अर्हताओं के सम्बन्ध में सूचना

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी रमेश चन्द ने विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया उ0प्र0 राज्य हज समिति के पत्र 09 अक्टूबर 2025 के द्वारा हज 2026 हेतु हज शिक्षकों के चयन हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया एवं अर्हताओं के सम्बन्ध में निम्नवत निर्देश दिये गये है-

ऑनलाइन आवेदन दिनांक 07 अक्टूबर 2025 से आरम्भ हो गया है जो दिनांक 20 अक्टूबर 2025 तक जारी रहेगा। ऑनलाइन आवेदन हज कमेटी आफ इण्डिया की वेबसाइट https://hajcommittee.gov.in पर किया जायेगा। कम्प्यूटर बेस्ड परीक्षा (सी0वी0टी0) हज कमेटी आफ इण्डिया द्वारा 08 नवम्बर 2025 को की जायेगी।कम्प्यूटर बेस्ड परीक्षा (सी0बी0टी0) में शार्टलिस्टेड परीक्षार्थियों का साक्षात्कार नवम्बर 2025 के द्वितीय सप्ताह में होगा। चयनित प्रशिक्षको का दो दिवसीय प्रशिक्षण मुम्बई में नवम्बर 2025 के चौथे सप्ताह में सम्भावित होगा। केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किये जायेगें। ऑफलाइन आवेदन स्वीकार्य नही होगें। आवेदन करते समय आवश्यक प्रपत्र जैसे पासपोर्ट साइज फोटो, हज किये होने के रूप में जारी वीजा की फोटोप्रति, पासपोर्ट की फोटोप्रति, बैंक खाते की पासबुक का प्रथम पेज अथवा कैसण्ड चेक, शिक्षा प्रमाण पत्र आदि अपलोड किया जाना आवश्यक है।

150 हज आवेदकों पर 01 प्रशिक्षक का चयन किया जायेगा। आवेदकों की न्यूनतम शिक्षा इण्टरमीडिएट / 12वीं पास या समकक्ष होना आवश्यक है। स्नातक जिनको सूचना तकनीकी का ज्ञान होगा, को वरीयता दी जायेगी। प्रशिक्षक हेतु आयु 07 अक्टूबर 2025 को 25 वर्ष से 60 वर्ष के भीतर होना आवश्यक है।पुरुष / महिलाओं का चयन पुरूष/महिला हज यात्रियों की संख्या के अनुपात में किया जायेगा। गत पांच वर्षों में हज किया होना आवश्यक है। अंग्रेजी/उर्दू / हिन्दी व स्थानीय भाषा बोलने व समझने में निपुण हो। मानसिक व शारीरिक रूप से पूर्णतः स्वस्थ हो। कम्प्यूटर में निपुण हो, हज सुविधा एप से पूर्णतः भिज्ञ हो।हज के अराकानों की जानकारी हो। भीड़/ समूह को सम्बोधित करने व नियंत्रित करने का अनुभव हो।

जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी द्वाराब्लॉक स्तरीय क्षेत्रीय क्रीडा प्रतियोगिता किया फीता काटकर उद्घाटन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। विकासखंड सुरियावां के परिषदीय विद्यालयों में अध्यनरत बालक बालिकाओं की क्रीडा प्रतियोगिता का आयोजन उच्च प्राथमिक विद्यालय महुआपुर सुरियावा में कराया गया। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी द्वारा फीता काटकर एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर की प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया विकासखंड सुरियावां के सभी परिषदीय विद्यालयों में क्रीडा प्रतियोगिता के बाद न्याय पंचायत स्तरीय क्रीडा प्रतियोगिता में चयनित छात्र-छात्राओं को इस प्रतियोगिता में सम्मिलित किया गया था ।इस प्रतियोगिता का आयोजन प्रातः काल 9:00 बजे से साय काल 5:00 बजे तक अलग-अलग इवेंट्स में कराया गया इस प्रतियोगिता में खंड शिक्षा अधिकारी यशवंत सिंह ने मुख्य अतिथि का माल्यार्पण कर अभिवादन किया जिलाध्यक्ष के द्वारा 400 मी की दौड़ को हरी झंडी दिखाकर दौड़ को प्रारंभ कराया। कई बालको एवं बालिकाओं को खंड शिक्षा अधिकारी के द्वारा पुरस्कार भी प्रदान किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी यशवंत जी ने बालक बालिकाओं को खेल के महत्व एवं प्रतियोगिता को अच्छे भाव एवं उत्साह से खेलने का निर्देश दिया।बालकों के उत्साह वर्धन के लिए यहां पर बेहतर से बेहतर सुविधाएं बच्चों के लिए जलपान एवं लंच पैकेट का प्रबंध भी किया। विकासखंड सुरियावा के सभी खेल अनुदेशको के द्वारा अलग-अलग इवेंट्स की जिम्मेदारी दी गई जिसका निर्वहन बड़ी ईमानदारी के साथ किया। इस प्रतियोगिता में सभी न्याय पंचायत स्तर पर विजेता बच्चों ने प्रतिभाग करके दौड़, कबड्डी, खो खो, गोला फेक, योगा, सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभाग किया और अपना स्थान प्राप्त किया है इस प्रतियोगिता में बड़ी भूमिका में श्रीमान राजेंद्र बिंद ब्लॉक व्यायाम प्रशिक्षक सुरियावा रहे, जिनके मार्गदर्शन में सभी खेल अनुदेशकों ने बड़े रुचिकर तरीके से इस खेल प्रतियोगिता को संपन्न कराया। इस मौके पर विकासखंड सुरियावा के परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक शिक्षिकाएं एवं ब्लाक के सभी ए आर पी उपस्थित रहे, इस कार्यक्रम का संचालन विनय शंकर पांडे एस आर जी भदोही ने किया। इस दौरान आदर्श शिक्षक ओम प्रकाश मिश्र, घनश्याम यादव, सुनील दुबे, संतलाल सोनकर, देवेंद्र विश्वास, देवेंद्र मिश्र, प्रमोद सिंह, सुभाष पाल, मनोज सिंह, सीता बेन, रुक्मणि मौर्य, स्वाति मिश्र, दिवाकर मिश्र, वेद प्रकाश रघुवंशी, प्रवीण मिश्र, रूप सागर शुक्ल, राजेश, मिथिलेश पाडेय सहित समस्त खेल अनुदेशक सुरियावा उपस्थित रहे।

जनपद के सहकारिता एवं निजी क्षेत्र में पर्याप्त फास्फेटिक उर्वरक उपलब्ध

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिला कृषि अधिकारी इरम ने विज्ञप्ति के माध्यम से सूचित कराया कि रबी सीजन वर्ष 2025-26 प्रारम्भ हो गया है।जनपद के कृषकों को रवी फसलों विशेषकर गेंहू, आलू, दलहनी एवं तिलहनी फसल हेतु जनपद के सहकारिता एवं निजी क्षेत्र में फास्फेटिक उर्वरक उपलब्ध है। कृषक भाइयों से अनुरोध है कि उर्वरक क्रय करते समय अपना आधार कार्ड लेकर विक्रय केन्द्र पर जाय तथा उर्वरक पी0ओ0एस0 मशीन से क्रय करें। पी0ओ0एस0 मशीन से निकली पर्ची पर अंकित पर धनराशि का भुगतान विक्रेता को करें, तथा पर्ची पर अंकित धनराशि का मिलान उर्वरक के बोरी पर अंकित धनराशि से भी कर लें, किसी भी दशा में बोरी पर अंकित धनराशि से अधिक का भुगतान विक्रेता को नही करेंगे। जनपद में रबी सीजन के लिए डी0ए0पी0 का लक्ष्य 4841 मै080 निर्धारित है, जिसमें सहकारिता विभाग को 3125 मै080, प्राईवेट / होफेड का 1716 मै0ट0 लक्ष्य है, जिसके सापेक्ष अक्टूबर माह तक लक्ष्य 797 मै080 है, जिसके सापेक्ष उपलब्धता 5093 मै080 है, जो 639 प्रतिशत है। वर्तमान समय में साधन सहकारी समितियों पर 2982 मै080 डी0ए0पी0 उपलब्धता के अनुसार जिलाधिकारी महोदय के द्वारा 871 मै080 डी0ए0पी0 49 समितियों एंव 195 मै0टन अन्य केन्द्र को आवंटन करके समितियों पर प्रेषित किया रहा है। जनपद में एन0पी0के0 का लक्ष्य 1312 मै0टन के सापेक्ष 1454 मै080 उपलब्ध है, जिसको सहकारी एवं निजी क्षेत्र से किसानों को उर्वरक उपलब्ध कराया जा रहा है। जनपद में फास्फेटिक उर्वरक की कमी नही है।

जनपद के समस्त सहकारी क्षेत्र के उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया जाता है कि समिति पर केवल सदस्यो और फार्मर रजिस्ट्री वालों कृषको को ही उर्वरक विकय किया जाय एंव उपलब्ध उर्वरक का विक्रय बोरी पर अंकित धनराशि पर ही करें, तथा नियमित रूप से स्टाक एवं वितरण रजिस्ट्रर पूर्ण किया जाय, यदि कोई उर्वरक विक्रेता निर्धारित दरों से अधिक दरों पर उर्वरक की बिक्री करते हुए पाया जाता है तो उनके विरूद्ध उर्वरक नियन्त्रण आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1983 के सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत कठोर कार्यवाही की जायेगी।

पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध महिलाओं एवं बालिकाओं से संबंधित अपराध में अभियोग दर्ज है

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक, भदोही के कुशल निर्देशन और शुभम अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक के निकट पर्यवेक्षण में भदोही पुलिस ने जनपद में अपराध और अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सशक्त कदम उठाते हुए 01 जनवरी 2025 से अब तक मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं/बालिकाओं संबंधी जघन्य अपराधों में विभिन्न थानों औराई, सुरियावा एवं भदोही क्षेत्र अंतर्गत में की गई त्वरित और प्रभावी कार्रवाहियों के दौरान कुल 05 कुख्यातअपराधियों को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

थाना ज्ञानपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मर्चवार के पास रास्ते में मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात बदमाश ई-रिक्शा पर सवार महिला के गले से मंगलसूत्र झपट्टा मारकर छिनकर भाग गये। रास्ते में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से अभियुक्तों की पहचान कर उपरोक्त छिनैती की घटना को अंजाम देने वाले गिरोह के अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु 25, 000/- रुपए नगद पुरस्कार घोषित किया गया। घटना के शीघ्र अनावरण व अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु गठित थाना ज्ञानपुर व जनपदीय स्वाट की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा दिनांक 27/28.02.2025 की रात्रि में असनाव बाजार के पास चेकिंग के दौरान पीछा करते हुए ग्राम मर्चवार जाने वाले तिराहे के पास से पुलिस मुठभेड़ में उपरोक्त छिनैती की घटना को अंजाम देने वाले/25 हजार रुपए पुरस्कार घोषित वांछित अभियुक्त सचिन मौर्या पुत्र रामनरेश मौर्या निवासी किसोरा थाना हण्डिया जनपद प्रयागाराज उम्र करीब 20 वर्ष को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त के कब्जे से 01 अदद देशी तमंचा 315 बोर मय 01 अदद खोखा व 02 अदद जिंदा कारतूस 315 बोर तथा घटना में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल बरामद किया गया।

थाना औराईक्षेत्र अन्तर्गत दिनांक 01.05.2025 को थाना औराई पुलिस टीम द्वारा महिला सम्बन्धी अपराध में वांछित अभियुक्त महफूज आलम उर्फ लुट्टन बाबा पुत्र अब्दुल खालिद निवासी वार्ड नं0 14 खमरिया थाना औराई जनपद भदोही उम्र करीब 38 वर्ष को माधोसिंह अण्डर पास से गिरफ्तार साक्ष्य बरामदगी के दौरान पुलिस मुठभेड़ में लक्ष्मणिया से घायलावस्था में गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के उपरान्त जेल भेजा गया । अभियुक्त के कब्जे से बरामद देशी तमंचा 315 बोर, एक जिंदा व खोखा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया ।

थाना सुरियावां क्षेत्र अंतर्गत दिनांक 11.07.2025 को कुशा पुलिया जनपद भदोही-जौनपुर बॉर्डर पर थाना सुरियावां व एस.ओ.जी. की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा अपराध व अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं नाबालिक बच्चो/महिला सम्बन्धी अपराधों में त्वरित कार्यवाही के दृष्टिगत 12 घंटे के अन्दर कार्यवाही करते हुए, अभियुक्त को पुलिस मुठभेड़ में घायलावस्था में गिरफ्तार किया गया । कब्जे से नाजायज तमंचा व जिंदा, खोखा कारतूस बरामद किया गया। दिनांक 12.10.2025 को शैलेश कुमार, जिला मजिस्ट्रेट भदोही एवं अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा संयुक्त रूप से लोक व्यवस्था बनाये रखने हेतु अभियुक्त राजकमल उर्फ करिया को रासुका में निरुद्ध किया गया है।

थाना औराई क्षेत्र अंतर्गत दिनांक 31.08.2025 को समय प्रातः लगभग 04:30 बजें युवती ऊपर ज्वलनशील पदार्थ (बैटरी का पानी) फेंक दिया। युवती के परिवार के व्यक्तियों को गाली गुप्ता व जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गया।थाना औराई पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान मुखबीरी सूचना पर पुलिस मुठभेड़ में वांछित अभियुक्त मुकेश कुमार पुत्र स्वर्गीय संतूराम निवासी ग्राम सहसेपुर (टेढ़वा) थाना औराई जनपद भदोही को ग्राम सहसेपुर रेलवे पटरी के दक्षिण तरफ आरसीसी रोड बहद थाना औराई से गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त के कब्जे से एक अदद नाजायज तमंचा 315 बोर तथा एक अदद खोखा कारतूस व एक अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया।

थाना भदोही क्षेत्र अन्तर्गत दिनांक 09.09.2025 को थाना भदोही पुलिस व स्वाट/सर्विलांस की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान मुखबिरी सूचना पर पुलिस मुठभेड़ में वांछित पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा ?25000/- पुरस्कार घोषित अभियुक्त किशन उर्फ कृष्णा पुत्र रवि डोम निवासी रेवड़ा फाटक चौरी रोड थाना भदोही जनपद भदोही को कारपेट सीटी पावर हाउस के रास्ते होते हुए सेवापुर को जाने वाले मार्ग से घायलावस्था में गिरफ्तार किया गया। कब्जे से नाजायज तमंचा व जिंदा, खोखा कारतूस बरामद किया गया।

अजय राय ने गृह मंत्री को लिखा पत्र आरएसएस पर पाबंदी लगाने की मांग की

बलिया। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर हमेशा से "देश-विरोधी गतिविधियों" में लिप्त होने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर उस पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। राय ने बृहस्पतिवार को यहां संवाददाताओं से बातचीत के दौरान यह भी आरोप लगाया कि संघ महात्मा गांधी की हत्या और देश को बांटने के लिए जिम्मेदार है।

राय ने कहा, "संघ हमेशा से देश-विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहा है। महात्मा गांधी की हत्या के पीछे इसी संगठन का हाथ था और इसने देश को बांटने का भी काम किया। यह संगठन गलत कार्यों में शामिल है और उस पर प्रतिबंध लगना चाहिए।" कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष ने बताया कि उन्होंने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर संघ पर पाबंदी लगाने की मांग की है। केरल में एक युवक की कथित आत्महत्या के मामले का जिक्र करते हुए राय ने आरोप लगाया, "26 साल के संघ प्रशिक्षित आनंदू नाम के एक युवक ने अपने सुसाइड नोट में संघ के वरिष्ठ नेताओं पर यौन शोषण का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा, "इससे पता चलता है कि संघ के अंदर किस तरह का मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न होता है।" बिहार विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए राय ने दावा किया कि 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन एकजुट है और बिहार में चुनाव के बाद सरकार बनाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, "इंडिया गठबंधन बिहार में मजबूती से चुनाव लड़ रहा है और वह सरकार बनाएगा।" राय ने भाजपा पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत अपने साथियों को धोखा देने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, "भाजपा ने हमेशा अपने साथी दलों के साथ खेल खेला है। उसने ओडिशा में बीजू जनता दल को खत्म किया, महाराष्ट्र में शिवसेना के साथ गलत किया और अब बिहार में नीतीश कुमार के साथ भी ऐसा ही कर रही है। भाजपा की नीति अपने सहयोगियों को एक-एक करके खत्म करने की है।" जब उनसे पूछा गया कि क्या कांग्रेस बिहार विधानसभा चुनाव के बाद केंद्र में सरकार बनाने के लिए नीतीश कुमार की मदद लेगी, तो उन्होंने कहा, "हम तब हालात देखेंगे। अभी हम मजबूती से और एकजुट होकर लड़ रहे हैं।

मौलाना तौकीर रजा खान के साथी अफजल बेग ने किया सरेंडर, कोर्ट ने भेजा जेल

बरेली। इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खान के निजी सहायक एवं 26 सितंबर की हिंसा के मामले में वांछित आरोपी अफजल बेग ने अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 15, 000 रुपये का इनामी अफजल बेग, बुधवार को अपने वकील और कुछ साथियों के साथ अदालत में पेश हुआ और आत्मसमर्पण कर दिया। अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, सिविल लाइंस क्षेत्र के विहारीपुर निवासी बेग पहले आईएमसी की पुरानी कमेटी में पदाधिकारी था और मौलाना तौकीर रजा तथा पार्टी के प्रवक्ता डॉ. नफीस के साथ लंबे समय तक रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने बताया कि बेग 26 सितंबर को शहर में हुई हिंसा से जुड़े मामले में वांछित था। उन्होंने बताया कि जब उसका कोई सुराग नहीं मिला, तो उसकी

गिरफ्तारी पर 15, 000 रुपये का इनाम घोषित किया गया और किला थाना प्रभारी सुभाष सिंह को उसे पकड़ने का निर्देश दिया गया।

किला थाना प्रभारी सुभाष सिंह ने बताया कि पुलिस को पहले से जानकारी थी कि बेग आत्मसमर्पण कर सकता है, इसलिए अदालत परिसर के बाहर एक टीम तैनात की गई थी। बावजूद इसके, वह अपने वकील की मदद से चुपचाप अदालत के अंदर जाकर आत्मसमर्पण करने में सफल रहा। सिंह ने यह भी बताया कि बेग बारादरी थाना क्षेत्र में दर्ज दंगे के एक अन्य मामले में भी वांछित है और वहां की पुलिस पूछताछ के लिए उसकी रिमांड मांग सकती है।

एसएसपी आर्य ने बताया कि पुलिस जल्द ही अन्य फरार आरोपियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कराने के लिए अदालत जाएगी। उन्होंने बताया कि अगर आरोपी स्वयं प्रस्तुत नहीं होते हैं, तो उनके खिलाफ इनाम की राशि बढ़ाई जा सकती है और अदालत की मंजूरी से उनकी संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई शुरू की जा सकती है। बरेली में 26 सितंबर को 'आई लव मोहम्मद' से जुड़े पोस्टरों को लेकर विवाद के बाद हिंसा भड़क उठी थी। शुक्रवार की नमाज के बाद हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान, जब पुलिस ने भीड़ को रोकने की कोशिश की तो झड़प हो गई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया, जिसके जवाब में पुलिस ने लाठीचार्ज किया और हालात को काबू में लाया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आईएमसी के कुछ नेताओं ने विरोध प्रदर्शन की आड़ में कथित रूप से दंगे भड़काने की साजिश रची थी।

सरकारी अस्पताल की दवाओं के भरोसे न कराएं इलाज

वरना जिंदगी भर पछताना पड़ेगा- सीएमएस का विवादित बयान वायरल

लखनऊ **(एजेंसी)**। अम्बेडकरनगर जिला अस्पताल एक बार फिर विवादों में है। अस्पताल के सीएमएस (मुख्य चिकित्साधिकारी) और एक मरीज के बीच का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें गंभीर आरोप सामने आए हैं। वायरल वीडियो में सीएमएस पी.एन. यादव यह कहते नजर आ रहे हैं कि अगर सही और भरोसेमंद इलाज चाहिए, तो मरीजों को बाहर से दवा और उपकरण खुद लाने होंगे, अन्यथा 'इंफेक्शन का खतरा' बढ़ सकता है।

यही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पहले भी दो-तीन मरीजों से खुद बाहर से सामान मंगवाया है।इस वीडियो के बाद लोगों में आक्रोश फैल गया है।

मरीजों ने बताया कि अस्पताल में इलाज के नाम पर उनसे भारी रकम मांगी जा रही है। एक मरीज ने कैमरे पर कबूल किया कि उससे ऑपरेशन के लिए 15 हजार रुपये जमा करने को कहा गया था, तभी उसका इलाज करने की बात कही गई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी अस्पताल में इस तरह की मांगें स्वास्थ्य सेवाओं की हालत पर सवाल उठाती हैं। सरकारी अस्पतालों को जहां गरीब और जरूरतमंदों की सेवा के लिए जाना जाता है, वहीं यहां इलाज से पहले पैसे और बाहर से सामान खरीदने की मजबूरी ने जनमानस में रोष पैदा कर दिया है।फिलहाल सीएमएस और स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है।

बेखौफ बदमाशों ने जूस विक्रेता की गोली मारकर की हत्या, परिजन बोले- हमारी किसी से कोई दुश्मनी नहीं

गोरखपुर। जिले के बांसगांव क्षेत्र में एक जूस विक्रेता की उसके घर में उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई जब वह सो रहा था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार ने बताया कि घटना बुधवार देर रात करीब एक बजे बांसगांव थाना क्षेत्र के गोदासरी गांव की है जहां मुन्ना साहनी (47) की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

साहनी के बेटे चंद्रभान ने पुलिस को बताया, "15-16 अक्टूबर की रात करीब एक बजे उनकी मां आशा देवी ने तेज आवाज सुनी। उन्हें लगा कि कुछ गिर गया है। जब वह देखने गईं, तो उन्होंने पिता जी को खून से लथपथ पाया।' चंद्रभान ने बताया कि उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने गोली लगने से उनकी मौत की पुष्टि की। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंचीं और खून के धब्बों, पीड़ित के बिस्तर के पास एक निशान सहित कई साक्ष्य एकत्र किए। उन्होंने बताया कि हत्या का मकसद अभी स्पष्ट नहीं है। परिवार का दावा है कि साहनी की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। कुमार ने बताया कि मामले की जांच के लिए पुलिस की तीन टीम गठित की गई हैं।

मायावती की अगुवाई में बसपा का चुनावी शंखनाद आकाश आनंद का जल्द होगा यूपी दौरा

लखनऊ **(एजेंसी)**। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीतिक तैयारी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में गुरुवार को लखनऊ स्थित बसपा प्रदेश कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई, जिसकी अध्यक्षता स्वयं मायावती ने की। यह बैठक बसपा की हाल ही में लखनऊ में हुई महासंकल्प रैली में उमड़े जनसैलाब के बाद बुलाई गई थी। बैठक में बड़ी संख्या में प्रदेश पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। विभिन्न राज्यों से भी बसपा कार्यकर्ता इस बैठक में पहुंचे, जिससे पार्टी के भीतर चुनाव को लेकर गंभीरता साफ नजर आई।

सूत्रों के मुताबिक, मायावती ने इस बैठक में पार्टी नेताओं को चुनाव की रणनीति, संगठन को मजबूत करने और बूथ स्तर तक तैयारियों को धार देने के निर्देश दिए। साथ ही 2027 में बसपा की सरकार बनाने के लक्ष्य को लेकर रूपरेखा भी तय की गई। बैठक में मायावती के साथ उनके भतीजे आकाश आनंद के कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चा होनी थी, लेकिन वे किसी कारणवश बैठक में शामिल नहीं हो सके। हालांकि, मायावती ने उनके आगामी उत्तर प्रदेश दौरे की संभावनाओं पर संकेत दिया। माना जा रहा है कि आकाश आनंद जल्द ही राज्य के सभी जिलों में दौरा करेंगे और संगठन को सक्रिय करेंगे। इस बैठक के बाद बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी पूरी गंभीरता के साथ 2027 के चुनाव की तैयारी में जुट गई है। 'बसपा ने 2027 विधानसभा चुनाव के लिए पूरी ताकत के साथ तैयारी शुरू कर दी है। हम जनता के बीच जाएंगे और बहुजन समाज के हित में काम करेंगे।'

इंदौर में वर्चस्व की जंग! 24 ट्रांसजेंडरों ने पिया फिनाइल एक गुट की प्रमुख को हिरासत में लिया गया

भोपाल। इंदौर में ट्रांसजेंडर समुदाय के लगभग 24 लोगों ने बुधवार रात एक साथ फिनाइल पीने का दावा किया है, जिसके बाद उन्हें एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सरकारी महाराजा यशवंतराव अस्पताल (एमवायएच) के प्रभारी अधीक्षक डॉ. बसंत कुमार निंगवाल ने पीटीआई-भाषा को बताया, 'ट्रांसजेंडर समुदाय के लगभग 25 लोगों को हमारे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने एक साथ फिनाइल पीने का दावा किया है, लेकिन इसकी तत्काल पुष्टि नहीं हो पाई है।' उन्होंने बताया कि किसी भी मरीज की हालत गंभीर नहीं है। हालांकि, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों द्वारा सामूहिक रूप से की गई इस घटना के पीछे क्या कारण था, यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया है।

इंदौर में ट्रांसजेंडर समुदाय के गुटीय विवाद में 24 लोगों के कथित तौर पर फिनाइल पीने के बाद बृहस्पतिवार को पुलिस ने एक गुट की प्रमुख को हिरासत में लिया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पंढरीनाथ पुलिस थाने में दर्ज मामले के आधार पर ट्रांसजेंडर के एक स्थानीय गुट की प्रमुख सपना गुरु को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि ट्रांसजेंडर के दूसरे गुट के सदस्यों का आरोप है कि सपना गुरु और उसके तीन साथियों ने इस समुदाय के एक सम्मेलन के लिए एकत्रित धरोहर राशि उन्हें लौटाने से इनकार कर दिया और उनके साथ मारपीट करते हुए उन्हें जान से मार डालने की धमकी भी दी।

दंडोतिया ने बताया कि ट्रांसजेंडर के इस गुट ने यह आरोप भी लगाया है कि सपना गुरु और उसके साथियों की प्रताड़ना से तंग आकर उसके 24 सदस्यों ने आत्महत्या के इरादे से बुधवार रात कथित तौर पर 'फिनाइल' पी लिया था। उन्होंने बताया, "फिनाइल पीने की बात कहने वाले सभी 24 लोगों को शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (एमवायएच) में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों के मुताबिक सभी मरीजों की हालत

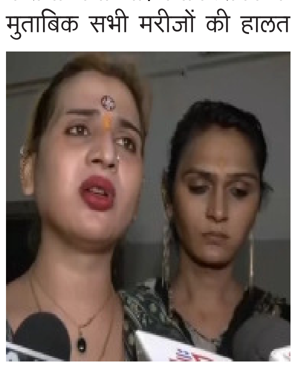

पूरी तरह खतरे से बाहर है।"

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ने बताया कि ट्रांसजेंडर समुदाय के गुटीय विवाद को लेकर पंढरीनाथ पुलिस थाने में दर्ज मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। दंडोतिया ने बताया कि एमवायएच परिसर में बुधवार देर रात हंगामे के बीच एक ट्रांसजेंडर ने खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने की कोशिश की थी, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने उसकी कोशिश नाकाम दी थी। पुलिस के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि शहर में ट्रांसजेंडर समुदाय के दो गुटों के बीच वर्चस्व, धन के लेन-देन और गद्दी (गुरु पद) को लेकर लम्बे समय से विवाद चल रहा है और दोनों गुट आए दिन एक-दूसरे पर संगीन आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग करते रहते हैं।

मनोज तिवारी का महागठबंधन पर सवाल जो घर नहीं जोड़ सकते, वो बिहार कैसे बनाएंगे?

पटना। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने गुरुवार को महागठबंधन, खासकर राजद नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधा और कहा कि जिनके अपने घर में ही एकता नहीं, वे बिहार का विकास कैसे कर सकते हैं। तिवारी ने एएनआई से कहा कि जिनके अपने घर में ही एकता नहीं, जहाँ दो भाइयों के बीच झगड़ा हो, वे बिहार को कैसे ठीक रख सकते हैं? न राहुल गांधी तेजस्वी यादव को पसंद करते हैं और न ही तेजस्वी यादव राहुल गांधी को, और जनता यह समझ चुकी है। उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की जीत का भी भरोसा जताया।

भाजपा सांसद ने कहा कि एनडीए में हर कोई अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के चयन में लगा हुआ है। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि इस बार एनडीए का हर उम्मीदवार बड़े अंतर से जीतेगा और बिहार एक नई उड़ान के लिए तैयार है। इस बीच, बिहार चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे की घोषणा के बाद भी, एनडीए गठबंधन के भीतर समस्याओं का सामना कर रहा है। बुधवार को राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के अध्यक्ष कुशवाहा और केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने दिल्ली पहुँचे।

उपेंद्र कुशवाहा ने दिल्ली हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा, 'गठबंधन में कुछ मुद्दे हैं जिन्हें सुलझाने की ज़रूरत है। हम यहाँ केंद्रीय गृह मंत्री से मिलने आए हैं और मुझे उम्मीद है कि हर मुद्दे का समाधान हो जाएगा।' आरएलएम ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए छह उम्मीदवारों की सूची जारी की है। पार्टी ने राज्य चुनावों के लिए विभिन्न जिलों से छह उम्मीदवारों की घोषणा की है।

प्रदेश महासचिव सुभाष चंद्रवंशी द्वारा जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, टिड्डू को सीवान जिले की बासोपट्टी विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। मधुबनी से मयंक आनंद और रोहतास जिले की दिनारा विधानसभा सीट से आलोक कुमार सिंह चुनाव लड़ेंगे। इस सूची में समस्तीपुर के उजियारपुर से प्रशांत कुमार पासवान, रोहतास के सासाराम से मीनाक्षी और मुजफ्फरपुर के पारू से टिड्डू नाम के एक और उम्मीदवार का नाम शामिल है।

बिहार महागठबंधन में सीट बंटवारा बना सिरदर्द नामांकन करीब, लालू-राहुल के बीच फोन पर हुई बात

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बिहार में पहले चरण के मतदान के लिए नामांकन दाखिल करने में केवल 26 घंटे शेष हैं, लेकिन महागठबंधन ने अभी तक सीट बंटवारे की घोषणा नहीं की है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी नेता राहुल गांधी ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत की। कांग्रेस नेताओं ने राजद प्रमुख लालू यादव से भी बात की। बैठक के दौरान, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री ने खड़गे और राहुल गांधी से कहा कि गठबंधन में अन्य सहयोगियों को भी शामिल किया जाना चाहिए, जो उनके अनुसार ज़्यादा महत्वपूर्ण है।

सीट बंटवारे पर अभी तक कोई प्रगति नहीं हुई है, लेकिन राजद और कांग्रेस के कई नेता पहले ही नामांकन पत्र दाखिल कर चुके हैं। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को राघोपुर विधानसभा क्षेत्र से अपनी सीट जीतने का विश्वास जताया। यहाँ पत्रकारों से बात करते हुए, उन्होंने राज्य में बेरोज़गारी दूर करने और भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराई। तेजस्वी ने मौजूदा सरकार के प्रति बढ़ते जन असंतोष पर प्रकाश डाला और कहा कि महागठबंधन आगामी विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करने के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा कि राघोपुर की जनता ने मुझ पर दो बार भरोसा किया है और मुझे विश्वास है कि इस बार भी वे मुझ पर भरोसा करेंगे... आप सभी जानते हैं कि हमारी पार्टी का उद्देश्य राज्य से बेरोज़गारी दूर करना और बिहार का फिर से निर्माण करना है... राज्य की जनता यहाँ के भ्रष्टाचार से तंग आ चुकी है और नई शुरुआत चाहती है... हमारा महागठबंधन 243 सीटों पर चुनाव लड़ रहा है और मुझे पूरा विश्वास है कि इस बार राज्य में सत्ता परिवर्तन होगा।

दिल्ली सरकार शहर को भारत की रचनात्मक राजधानी बनाने के लिए काम कर रही : मुख्यमंत्री

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को कहा कि दिल्ली सरकार, शहर को देश की रचनात्मक राजधानी बनाने की दिशा में कार्य कर रही है और लाखों दर्शकों की क्षमता वाले वृहद आयोजन स्थलों के विकास की योजना पर काम जारी है। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में अगले 70 दिनों में, 30 प्रसिद्ध कलाकार प्रस्तुति देंगे।

दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि अमेरिकी रैपर ट्रैविस स्कॉट और गायक एकॉन अगले कुछ महीनों में दिल्ली में प्रस्तुति देंगे। उन्होंनेकहा कि अर्जेंटीना के फुटबॉल स्टार लियोनेल मेसी के दिसंबर में दिल्ली दौरे को लेकर बातचीत चल रही है। गुप्ता ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सरकार दिल्ली को रचनात्मक राजधानी और आयोजनों के अनुकूल शहर बनाने को लेकर काम कर रही है। उन्होंने कहा, हम विश्वस्तरीय सुविधाओं वाले कार्यक्रम स्थल विकसित करेंगे, जिनकी क्षमता लाखों दर्शकों की होगी।

लाइव मनोरंजन उद्योग में दिल्ली की हिस्सेदारी 2, 000 से 3, 000 करोड़ रुपये की है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य है कि भारत आने वाला कोई भी विदेशी दिल्ली भी आए। हम आयोजनकर्ताओं को आयोजन से जुड़ी सामग्री, बुनियादी ढांचा और सुरक्षा प्रदान करेंगे।

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने विदेश यात्रा की अनुमति मांगने वाली याचिका वापस ली

मुम्बई। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने बृहस्पतिवार को मुंबई उच्च न्यायालय को बताया कि वह विदेश यात्रा की अनुमति के अनुरोध वाली अपनी याचिका वापस ले रही हैं। शिल्पा और उनके पति राज कुंद्रा 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में आरोपी हैं। शिल्पा के वकील निरंजन मुंदरगी ने मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अनखड़ की खंडपीठ के समक्ष बताया कि अभिनेत्री अपनी याचिका वापस ले रही हैं। उन्होंने कहा, "भविष्य में जब भी शिल्पा और उनके पति विदेश यात्रा करना चाहेंगे, वे अदालत से अनुमति के लिए नयी याचिका दायर करेंगे। वर्तमान याचिका पर शिल्पा फिलहाल जोर नहीं दे रही हैं।"

इस मामले में शिकायतकर्ता दीपक कोठारी ने दंपति पर आरोप लगाया था कि 2015 से 2023 के बीच दंपति ने उन्हें (कोठारी) अपनी कंपनी बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड में 60 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए प्रेरित किया लेकिन इस राशि का उपयोग उन्होंने अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए किया।

दंपति ने पिछले महीने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी, जिसमें शहर पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) के आदेश पर उनके खिलाफ जारी लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) को निलंबित करने का अनुरोध किया गया था।

उन्होंने अक्टूबर 2025 से जनवरी 2026 के बीच अपने पेशेवर कार्य और छुट्टी मनाने के लिए विदेश जाने की अनुमति मांगी थी। न्यायालय ने बृहस्पतिवार को शिल्पा के आवेदन वापस लेने की याचिका को स्वीकार किया और दंपति के एलओसी निलंबन याचिका की सुनवाई 17 नवंबर के लिए निर्धारित की।

पिछली सुनवाई के दौरान न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि जब तक शिल्पा और राज कुंद्रा धोखाधड़ी और फर्जीवाड़े के मामले में आरोपी हैं, तब तक उन्हें छुट्टी मनाने के लिए यात्राओं की अनुमति नहीं दी जा सकती। न्यायालय ने कहा था कि यह याचिका केवल तभी विचाराधीन होगी जब वे 60 करोड़ रुपये जमा करने को तैयार हों।

धर्मेंद्रसिंह जडेजा की शानदार गेंदबाजी, 7 विकेट लेकर कर्नाटक को 372 रन पर समेटा

राजकोट। बाएं हाथ के स्पिनर धर्मेंद्रसिंह जडेजा के 124 रन देकर 7 विकेट झटकने से सौराष्ट्र ने यहां रणजी ट्रॉफी ग्रुप बी मैच के दूसरे दिन कर्नाटक को पहली पारी में 372 रन पर समेट दिया। कर्नाटक ने 5 विकेट पर 295 रन से आगे खेलते हुए जडेजा की शानदार गेंदबाजी के आगे आखिरी पांच विकेट महज 77 रन में गंवा दिए। अर्धशतक जड़ने वाले स्मरण रविचंद्रन (77) अपने कल के स्कोर में महज 11 रन ही जोड़ सके जबकि अनुभवी श्रेयस गोपाल (95 गेंद में 56 रन, चार चौके, दो छक्के) और शिखर शेट्टी (41) ने उपयोगी योगदान देकर कर्नाटक को 372 रन तक पहुंचाया।

कर्नाटक के लिए बुधवार को देवदत्त पडिक्कल (96 रन) और करुण नायर (73 रन) ने तीसरे विकेट के लिए 146 रन जोड़े थे। सौराष्ट्र ने दूसरे दिन स्टंप तक 60 ओवर में चार विकेट पर 200 रन बना लिए थे जिससे वह पहली पारी के हिसाब से कर्नाटक से 172 रन पीछे है। विकेटकीपर हार्विक देसाई (41) और चिराग जानी (90 रन) ने पहले विकेट के लिए 140 रन की साझेदारी कर सौराष्ट्र को मजबूत शुरुआत दिलाई।

दिन का खेल समाप्त होने तक अर्पित वासवडा (नाबाद 12) और प्रेरक मांकड़ (नाबाद 20) क्रीज पर थे। बल्ले से शानदार प्रदर्शन के बाद गोपाल ने गेंद से भी शानदार प्रदर्शन किया और 51 रन देकर तीन विकेट चटकाए। तिरूवंनतपुरम में महाराष्ट्र की टीम पहली पारी में 239 रन पर आउट हो गई और इसके जवाब में केरल ने स्टंप तक तीन विकेट गंवाकर 35 रन बना लिए थे।

महाराष्ट्र के लिए रूतुराज गायकवाड (91 रन) के अलावा जलज सक्सेना ने 49 रन का योगदान दिया। पोरवोरिम में ललित यादव (213 रन) और अभिनव तेजा (205 रन) के शानदार दोहरे शतकों के बाद गोवा की पहली पारी 566 रन पर सिमट गई। इसके जवाब में चंडीगढ़ ने एक विकेट गंवाकर 34 रन बना लिए थे।

यह एकमात्र विकेट महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर ने झटका। इंदौर में पंजाब की टीम सारांश जैन के (75 रन देकर) छह विकेट झटकने से पहली पारी में 232 रन पर सिमट गई जिसके जवाब में मध्य प्रदेश ने स्टंप तक छह विकेट गंवाकर 305 रन बना लिए थे और रजत पाटीदार 107 रन की शतकीय पारी खेलकर क्रीज पर डटे हुए हैं। पंजाब के लिए नमन धीर और प्रेरित दत्ता ने तीन तीन विकेट चटकाए।

सांगवान और दोसेजा की डबल सेंचुरी से दिल्ली ने मचाई धूम, रिकॉर्ड बुक में दर्ज हुआ नाम

हैदराबाद। रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मुकाबले के दूसरे दिन दिल्ली के दो युवा बल्लेबाजों ने रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया। सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान (नाबाद 211) और नए खिलाड़ी आयुष दोसेजा (209) ने शानदार दोहरे शतक जमाते हुए दिल्ली को 4 विकेट पर 529 रन तक पहुंचाया। दोनों की 319 रनों की साझेदारी ने हैदराबाद को पूरी तरह बैकफुट पर धकेल दिया।

पहले दिन दिल्ली की शुरुआत निराशाजनक रही थी जब टीम तीन विकेट पर मात्र 113 रन बनाकर संघर्ष कर रही थी। लेकिन इसके बाद सांगवान और दोसेजा ने अपनी बल्लेबाजी से खेल का रुख पलट दिया। दोनों बाएं हाथ के बल्लेबाज़ों ने शानदार तालमेल दिखाया और चौथे विकेट के लिए 319 रनों की साझेदारी कर दिल्ली को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

सांगवान ने क्लासिकल टेस्ट बल्लेबाजी की मिसाल पेश की। अपनी 470 गेंदों की पारी में उन्होंने 21 चौके और तीन छक्के लगाए और कई बार गेंदों को छोड़कर गेंदबाजों को थकाया। उनकी बल्लेबाजी ने पुराने जमाने के धैर्य और तकनीक की याद दिला दी। सांगवान का यह पहला प्रथम श्रेणी शतक था, जिसे उन्होंने दोहरे शतक में बदलकर करियर की शानदार शुरुआत की।

आयुष दोसेजा ने दूसरी ओर आक्रामक तेवर अपनाए और मात्र 279 गेंदों में 209 रन ठोक डाले। उन्होंने 25 चौके और 5 छक्के लगाए। खासतौर पर उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर गंगम अनिकेत रेड्डी पर जमकर प्रहार किया, एक ही गेंदबाज के खिलाफ 11 चौके और 2 छक्के जड़े। उनके शॉट्स लॉन्ग ऑन, लॉन्ग ऑफ और मिडविकेट की दिशा में गूंजते रहे।

पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली का शीर्ष क्रम लगातार नाकाम रहा था, लेकिन सांगवान और दोसेजा की यह साझेदारी टीम के लिए ताजा उम्मीद लेकर आई है। यह दोनों बल्लेबाज न केवल तकनीकी रूप से सक्षम हैं बल्कि मानसिक रूप से भी बेहद मजबूत साबित हुए। इस प्रदर्शन के बाद चयनकर्ताओं और कोचिंग स्टाफ की नजर इन दो युवा खिलाड़ियों पर जरूर टिकेगी।

हैदराबाद की गेंदबाजी पूरी तरह विफल रही। पिच बल्लेबाज़ों के लिए बेहद अनुकूल थी, लेकिन फिर भी हैदराबाद के गेंदबाज़ लगातार लाइन-लेंथ से जूझते रहे। हालात ऐसे बने कि कप्तान तिलक वर्मा को खुद गेंदबाज़ी करनी पड़ी। उन्होंने पाँच ओवर ऑफ-स्पिन फेंके, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। मैच के बाद तिलक ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो गए, जिससे टीम और कमजोर पड़ गई।

एयर इंडिया की अनुषंगी को छह बोइंग विमानों के लिए मिला 21.5 करोड़ डॉलर का ऋण

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। स्टैंडर्ड चार्टर्ड और बैंक ऑफ इंडिया ने बुधवार को गुजरात गिफ्ट सिटी स्थित एयर इंडिया की अनुषंगी कंपनी एआई फ्लीट सर्विसेज आईएफएससी लिमिटेड (एआईएफएस) को 21.5 करोड़ डॉलर का ऋण देने की घोषणा की।

एक बयान में कहा गया है कि इस ऋण का उपयोग छह बोइंग 777-300 ईआर विमानों को लेने के लिए किया जाएगा। इन विमानों को आगे चलकर एयर इंडिया को पट्टे पर दिया जाएगा। यह ऋण सात वर्षों में किस्तों के रूप में चुकाया जाएगा।

एआईएफएस, एयर इंडिया की विमानों को पट्टे पर मुहैया कराने वाली अनुषंगी है। एयर इंडिया इस समय अपने विमान बेड़े के आधुनिकीकरण और विस्तार की प्रक्रिया में है। इस सौदे को तैयार करने में स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने प्रमुख भूमिका निभाई है।

वहीं, बैंक ऑफ इंडिया और स्टैंडर्ड चार्टर्ड दोनों ने मिलकर इस सौदे को मुख्य व्यवस्थापक और बुकरनर के रूप में पूरा किया। स्टैंडर्ड चार्टर्ड के वैश्विक प्रमुख (परिवहन वित्त) अभिषेक पांडेय ने कहा, ''यह वित्तपोषण विमानन वित्त क्षेत्र के हमारे अनुभव और भारत के विमानन क्षेत्र की निरंतर वृद्धि में हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।''

एआईएफएस के चेयरमैन और एयर इंडिया के मुख्य वित्तीय अधिकारी संजय शर्मा ने कहा, एयर इंडिया ने 570 विमानों का ऑर्डर देकर बदलाव की पंचवर्षीय यात्रा शुरू की है और गिफ्ट सिटी इन विमानों के वित्तपोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सलमान आगा से छीनेगी कप्तानी

अनुभवी ऑलराउंडर को मिल सकती है पाकिस्तान टी20 टीम की कमान

कराची। अनुभवी ऑलराउंडर शादाब खान को सलमान अली आगा की जगह पाकिस्तान की टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया जा सकता है। पाकिस्तान की तरफ से अब तक 70 एकदिवसीय और 112 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा ले चुके शादाब ने इस साल के शुरू में लंदन में अपने कंधे की सर्जरी कराई थी इसके बाद वह खेल से बाहर हैं।

शादाब हालांकि अब फिट हैं और वह अगले महीने वापसी कर सकते हैं। उनकी वापसी महत्वपूर्ण होगी क्योंकि वह सलमान की जगह राष्ट्रीय टी20 कप्तान बन सकते हैं। सर्जरी से पहले वह इस प्रारूप में उप-कप्तान थे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक विश्वसनीय सूत्र ने बताया कि शादाब 11 से 15 नवंबर के बीच श्रीलंका के खिलाफ द्विपक्षीय घरेलू श्रृंखला में वापसी करेंगे, क्योंकि उनका रिहैब अच्छा चल रहा है।

अगले साल होने वाले विश्व कप को ध्यान में रखते हुए उन्हें खेल के सबसे छोटे प्रारूप का कप्तान नियुक्त किया जा सकता है। पाकिस्तान सलमान की अगुवाई में एशिया कप में खेला था जहां उसे फाइनल में भारत से हार का सामना करना पड़ा था।

बाजार में दिवाली से पहले धमाका! सेंसेक्स-निफ्टी में जबरदस्त तेजी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय शेयर बाजारों में गुरुवार (16 अक्टूबर) को जबरदस्त तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 862 अंकों की तेजी के साथ 83, 467 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 261 अंक मजबूत होकर 25, 585 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 900 अंकों से अधिक की छलांग लगाई। बाजार में बैंकिंग शेयरों में खरीदारी, मजबूत वैश्विक संकेत और विदेशी निवेशकों की वापसी ने निवेशकों का उत्साह बढ़ाया।

बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली। बैंक निफ्टी 0.5इ ऊपर गया। एक्सिस बैंक के शेयर सितंबर तिमाही के मजबूत नतीजों और ब्रोकरेज बर्नस्टीन की 'आउटपरफॉर्म' रेटिंग से 4इ उछले। इसके साथ ही, सरकारी बैंकों के संभावित मर्जर की खबरों ने भी बाजार को रफ्तार दी।

भारतीय रुपया 40 पैसे चढ़कर 87.68 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। आरबीआई के हस्तक्षेप, कमजोर डॉलर इंडेक्स और कच्चे तेल की गिरती कीमतों से रुपए को समर्थन मिला।

विदेशी निवेशकों ने लंबे समय बाद बाजार में खरीदारी का रुख दिखाया। 15 अक्टूबर को उन्होंने 68.64 करोड़ रुपए का निवेश किया और पिछले एक हफ्ते में 3, 000 करोड़ रुपए से ज्यादा की खरीदारी की।

एशियाई बाजारों जापान का निक्केई, कोरिया का कोस्पी और चीन का शंघाई कंपोजिट में तेजी ने भारतीय बाजार को भी बल दिया।

भारत के वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल वाशिंगटन में अमेरिकी प्रतिनिधियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। इससे दोनों देशों के बीच ऊर्जा और व्यापारिक सहयोग पर सकारात्मक संकेतों की उम्मीद है।

वेस्टइंडीज सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम का ऐलान, हिदुल पहली बार वनडे टीम में शामिल

ढाका। मध्यक्रम के बल्लेबाज महिदुल इस्लाम अंकोन को पहली बार वनडे टीम में शामिल किया गया है, जब बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की।

सलामी बल्लेबाज नईम शेख और तेज गेंदबाज नाहिद राणा, जो हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ संपन्न वनडे सीरीज का हिस्सा थे, उस टीम में अपनी जगह बरकरार नहीं रख पाए जिसमें सलामी बल्लेबाज सौम्य सरकार की 50 ओवरों के प्रारूप में वापसी हुई थी। सौम्य ने आखिरी बार फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था।

एशिया कप में लगी साइड स्ट्रेन की चोट के कारण लिटन के वनडे मैचों में खेलने की संभावना कम है और स्कैन रिपोर्ट आने के बाद, टीम प्रबंधन ने अपने टी20 कप्तान के साथ कोई जोखिम नहीं उठाते हुए उन्हें बेंच पर बैठाने का फैसला किया। तीन वनडे मैच क्रमशः 18, 21 और 23 तारीख को शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे।

बांग्लादेश टीम : मेहदी हसन मिराज (कप्तान), तनजीद हसन तमीम, सौम्य सरकार, मोहम्मद सैफ हसन, नजमुल हुसैन शान्तो, तौहीद हृदॉय, महिदुल इस्लाम एंटोन, जैकर अली, शमीम हुसैन, नूरुल हसन, रिशाद हुसैन, तनवीर इस्लाम, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, तनजीम हसन साकिब, हसन महमूद राज

सुल्तान ऑफ जोहोर कप ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 4-2 से हराया

तीसरे क्वार्टर में बदला मैच का रुख

जोहोर (मलेशिया)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम को सुल्तान ऑफ जोहोर कप 2025 के पूल-स्टेज के चौथे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की ओर से कप्तान रोहित (22') और अर्शदीप सिंह (60') ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए ऑस्कर स्प्रूल (39', 42'), एंड्रयू पैट्रिक (40') और कप्तान डिलन डाउनी (51') ने गोल दागे।

पहले क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन भारत ने गेंद पर बेहतर नियंत्रण रखते हुए खेल की गति तय की। शुरुआती पलों में ऑस्ट्रेलिया को गोल करने का मौका मिला, मगर गोलकीपर प्रिंसदीप सिंह ने शानदार बचाव किया।

दूसरे क्वार्टर में भारत ने 17वें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन अनमोल एक्का का प्रयास बार के ऊपर चला गया। 22वें मिनट में मिले दूसरे कॉर्नर पर कप्तान रोहित ने सटीक हिट लगाकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। 25वें मिनट में अमीर अली ने शानदार सोलो रन के बाद शॉट लिया, जिसे ऑस्ट्रेलियाई गोलकीपर ने रोका।

तीसरे क्वार्टर में मैच का रुख पलट गया – ऑस्ट्रेलिया ने लगातार तीन गोल दागकर मैच अपने नाम कर लिया। 39वें मिनट में ऑस्कर स्प्रूल ने बराबरी का गोल किया, उसके तुरंत बाद (40') एंड्रयू पैट्रिक ने रिबाउंड पर दूसरा गोल दागा। 42वें मिनट में स्प्रूल ने फिर शानदार बैकहैंड शॉट से अपना दूसरा गोल किया, जिससे ऑस्ट्रेलिया 3-1 से आगे निकल गया।

49वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन कप्तान रोहित का शॉट चूक गया। 51वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान डिलन डाउनी ने अपनी टीम का चौथा गोल दागा। मैच के आखिरी मिनट में अर्शदीप सिंह ने शानदार डिफ्लेक्शन से भारत के लिए दूसरा गोल किया, जिससे मुकाबला 2-4 पर समाप्त हुआ। अब भारत का अगला मुकाबला शुक्रवार को मेज़बान मलेशिया से होगा।

महंगे हुए फल, 9 महीने में 13 फीसदी से अधिक उछाल, टूटा 5 साल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। इस साल 2025 में फलों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है। जनवरी से सितंबर के बीच फलों पर महंगाई दर औसतन 13.2इ रही, जो पिछले पांच वर्षों में सबसे अधिक है। वहीं, सब्जियों और दालों के दाम कम होने से कुछ राहत मिली है।

विश्लेषकों के मुताबिक, साल 2024 में फलों की महंगाई 5.9इ और 2023 में 3.9इ थी। वहीं इस साल सब्जियों के दाम औसतन 10.9इ घटे, जबकि पिछले साल इसी अवधि में सब्जियों के दाम 24.9इ बढ़े थे। कुल मिलाकर खुदरा महंगाई दर 2.7इ रही, जो पिछले साल 4.7इ थी।

विशेषज्ञों का कहना है कि फलों की महंगाई बढ़ने के पीछे कई कारण हैं- फसल को नुकसान, स्टोरिंग की जगह की कमी और कोल्ड चेन में दिक्कतें। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के पारस जसराई के अनुसार, बाहर से फल मंगाकर इन समस्याओं को आसानी से हल नहीं किया जा सकता। जनवरी से सितंबर 2025 के बीच केले की महंगाई औसतन 8.1इ रही। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र में भारी बारिश और बाढ़ की वजह से सप्लाई कम हुई। बनाना ग्रोअर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के बीवी पाटिल ने बताया कि बिहार में किसान मक्का की ओर बढ़ रहे हैं, क्योंकि एथेनॉल उत्पादन में मक्का की मांग अधिक है।

हॉलीवुड को लगा बड़ा झटका! डायने कीटन का निधन, परिवार ने खोली मौत की असली वजह

डायने कीटन के परिवार ने अभिनेत्री की मृत्यु के कारण का खुलासा किया है। पीपल पत्रिका के अनुसार, 'एनी हॉल' स्टार का 11 अक्टूबर को निमोनिया के कारण निधन हो गया। पीपल पत्रिका को दिए एक विशेष बयान में, ऑस्कर विजेता अभिनेत्री के परिवार ने पुष्टि की कि 11 अक्टूबर को निमोनिया के कारण उनकी मृत्यु हो गई और उनके प्रति उमड़े समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

कीटन के परिवार ने पीपल पत्रिका को दिए एक बयान में यह खबर साझा की और कहा कि वे हाल के दिनों में मिले व्यापक समर्थन संदेशों के लिए आभारी हैं।

उनके परिवार ने कहा, 'कीटन परिवार अपनी प्यारी डायने, जिनका 11 अक्टूबर को निमोनिया से निधन हो गया था, की ओर से पिछले कुछ दिनों में मिले प्यार और समर्थन के असाधारण संदेशों के लिए बहुत आभारी है।'

कीटन का जन्म 1946 में लॉस एंजिल्स में हुआ था और वे पर्दे पर अपनी ईमानदारी और मौलिकता के लिए जानी जाती थीं। उन्हें 'द फर्स्ट वाइव्स क्लब', 'समथिंग्स गॉट्टा गिव' और 'बेबी बूम' जैसी फिल्मों में उनकी भूमिकाओं के लिए सराहा गया। कई लोगों ने उनकी स्वतंत्रता और प्रामाणिकता की प्रशंसा की, जिनके गुणों ने वर्षों से दर्शकों को प्रेरित किया है।

उनकी करुणा को याद करते हुए, कीटन के परिवार ने पशु कल्याण और बेघर समुदाय के समर्थन के प्रति उनके समर्पण का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, 'वह अपने जानवरों से बहुत प्यार करती थीं और बेघर समुदाय के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता थी, इसलिए उनकी स्मृति में किसी स्थानीय खाद्य बैंक या पशु आश्रय में किया गया कोई भी दान उनके लिए एक अद्भुत और अत्यंत सराहनीय श्रद्धांजलि होगी।'

बिग बॉस 19 की प्रतियोगी तान्या मित्तल पर धोखाधड़ी का आरोप दर्ज, गिरफ्तारी की मांग तेज

बिग बॉस 19 के अंदर हर दिन कुछ नया हो रहा है, वहीं घर के बाहर भी कुछ न कुछ नया होता रहता है, और हमारे पास लगातार कई जानकारियाँ आ रही हैं। और अब, ऐसा लग रहा है कि तान्या मित्तल एक बार फिर सुर्खियों में हैं, क्योंकि इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। हालांकि यह एक ऐसी बात बन गई है जिसके बारे में हर कोई बात कर रहा है, आइए इस पर और उनके अन्य विवादों पर नज़र डालते हैं जिनके बारे में बात होती रहती है।

आध्यात्मिक इन्फ्लुएंसर तान्या मित्तल बिग बॉस 19 के घर में आने के बाद से ही चर्चा में हैं। वह रियलिटी टेलीविजन शो में किए गए अपने दावों के कारण सुर्खियां बटोर रही हैं। हाल ही में, मुंबई के सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने ग्वालियर एसएसपी कार्यालय में तान्या मित्तल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई।

फैजान का आरोप है कि तान्या मित्तल ने लोगों के पैसे ठगे और अपने प्रेमी बलराज को जेल भी भिजवा दिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि तान्या मित्तल ने बिग बॉस 19 में अपने परिवार और निजी जीवन के बारे में झूठ बोला था। फ़ैज़ान ने एफआईआर दर्ज होने के बाद उनकी गिरफ़्तारी की मांग की है।

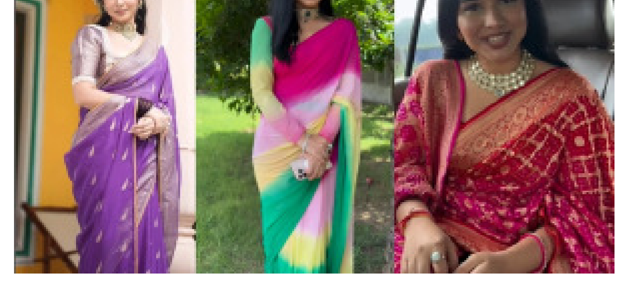

समाचार एजेंसी एएनआई को दिए गए एक बयान में, फ़ैज़ान ने आरोप लगाया है कि तान्या मित्तल ने कई सालों तक बलराज को डेट किया, उसे धोखा दिया और उसके साथ विश्वासघात किया। उसकी वजह से बलराज अब जेल में है। फ़ैज़ान ने मांग की कि उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और गिरफ्तारी वारंट जारी किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि तान्या मित्तल की वजह से एक निर्दोष व्यक्ति इस समय जेल में है।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर फ़ैज़ान ने मुंबई से आकर ग्वालियर के एसएसपी को एक लिखित शिकायत दी, जिसमें तान्या मित्तल से जुड़ी कई सच्चाइयाँ शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि महाराष्ट्र और देश के अन्य हिस्सों के लोग तान्या मित्तल की सच्चाई जानते हैं, लेकिन दुर्भाग्य से ग्वालियर के लोग इससे अनजान हैं।

फ़ैज़ान ने यह भी कहा, 'तान्या मित्तल प्रभावशाली समुदाय का नाम खराब कर रही हैं। हम महाराष्ट्र से आते हैं और जब भी ग्वालियर का नाम सुनते हैं, तो हमें सिंधिया जैसे लोग याद आते हैं। यह शहर बड़ा हो रहा है और अब इसकी तुलना महानगरों से की जा रही है। लेकिन तान्या मित्तल जैसी लड़की अपने घर को बिग बॉस 19 से भी बड़ा बताकर ग्वालियर का नाम बदनाम कर रही है।'